

नए नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 17: यूहन्ना, विश्वास, मदिरा और यीशु को परमेश्वर के रूप में परिचय

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट द्वारा

ए. जॉन की समीक्षा [00:00-3:25]

खैर, नमस्कार, यह ईस्टर से पहले का शनिवार है और हम जॉन की पुस्तक के बारे में बात कर रहे हैं और हमारे पिछले सत्र में, हम जॉन के व्यक्तित्व, या लेखक, या पुस्तक के परिप्रेक्ष्य पर चर्चा कर रहे थे और हमने यह दिखाने की कोशिश की कि जॉन की पुस्तक बहुत हिब्रू और बहुत यहूदी उन्मुख पुस्तक है। इसमें ऐसे उत्सवों को शामिल किया गया है जिन्हें कोई और सूचीबद्ध नहीं करता है। इसमें हनुक्का का पर्व भी है, जिसे प्रकाश का पर्व या समर्पण कहा जाता है, जो जॉन की पुस्तक में सूचीबद्ध है जिसे कोई और नहीं उठाता है। लेखक बहुत भौगोलिक रूप से जानता है कि क्या हो रहा है। वह जॉर्डन के दूसरी तरफ बेथानी और अन्य प्रकार की चीजों का उल्लेख करता है जिन्हें आप एक प्रत्यक्षदर्शी से समझने की उम्मीद करेंगे। उदाहरण के लिए, वह सूचीबद्ध करता है "यह छठे घंटे में किया गया था" या "यह नौवें घंटे में किया गया था।" वह सटीक घंटों को सूचीबद्ध करता है, जो एक प्रत्यक्षदर्शी और किसी ऐसे व्यक्ति का चिह्न है जो फिलिस्तीनी है, जो यहूदी है। फिर हमने मसीह के साथ उसकी विशेष निकटता को दिखाने के लिए विभिन्न चीजों पर चर्चा की। हमने शिष्य द्वारा उपनाम लेने के बारे में बात की, कि वह "वह शिष्य था जिसे यीशु प्यार करता था," और वह उपनाम खुद को चित्रित करने का उसका तरीका है। "शिष्य जिसे यीशु प्यार करता था" एक विशेष शीर्षक है। हमने यह भी देखा कि जिस शिष्य से यीशु प्यार करता था उसका पीटर के साथ घनिष्ठ संबंध है। पीटर और शिष्य मछली पकड़ने गए, हमने अध्याय 20 में देखा कि एक पैदल दौड़ थी और पीटर उस शिष्य से आगे निकल गया जिसे यीशु प्यार करता था और इसलिए यह शिष्य पीटर, मछली पकड़ने, गलील और उस तरह की चीजों के करीब था।

लेखक ने अंतिम भोज में मसीह के साथ विशेष अंतरंगता दिखाई। हम इस बारे में बात कर रहे थे कि वह पतरस की तुलना में यीशु के अधिक करीब बैठा हुआ प्रतीत होता है और पतरस, जो वास्तव में कभी भी शर्मीला नहीं होता, इस शिष्य से पूछता है, "कौन हमें धोखा देने वाला है?" तो

पतरस इस शिष्य के माध्यम से जाता है जिसे यीशु एक मध्यस्थ के रूप में प्यार करता था।

हम देखते हैं कि ज़ेबेदी के बेटे पीटर, जेम्स और जॉन कई संदर्भों में एक दूसरे के करीब थे, जिसमें गेथसेमेन, मृत लड़की के जी उठने और रूपांतरण शामिल है। पीटर, जेम्स और जॉन तीनों के आंतरिक घरे में थे। साथ ही जब यीशु क्रूस पर थे, तब उन्होंने अपनी माँ को देखा और इस शिष्य से कहा "यह तुम्हारा बेटा है, यह तुम्हारी माँ है," और फिर इस शिष्य ने यीशु की माँ की देखभाल की। इसलिए यीशु को अपनी माँ की देखभाल करने के लिए इस व्यक्ति पर वास्तव में भरोसा करना पड़ा होगा। वास्तव में, पदयात्रा के साथ भी, वह व्यक्ति शायद कम उम्र का है क्योंकि जब आप किसी से अपनी माँ की देखभाल करने के लिए कहने जा रहे हैं, तो आप किसी छोटे व्यक्ति को चाहते हैं, किसी बड़े व्यक्ति को नहीं। इसलिए यह एक और तर्क होगा जो मैं लाज़र जैसे व्यक्ति के खिलाफ़ सोचूंगा।

बी. जॉन की समीक्षा: लेखकत्व और उन्मूलन प्रक्रिया [3:25-7:14]

पीटर और जॉन के बीच घनिष्ठ संबंध थे, हमने इसे रूपांतरण, गेस्तेमेन के बगीचे और उपचार में देखा। बाद में प्रेरितों के काम की पुस्तक में भी, जब वे प्रेरितों के काम 3 में अपंग को ठीक करते हैं, तो पीटर और जॉन एक साथ होते हैं, "मेरे पास न तो चाँदी है और न ही सोना।" प्रेरितों के काम 3:1 और उसके बाद। वे प्रेरितों के काम 4:19 में महासभा के सामने हैं। इसलिए प्रेरितों के काम की पुस्तक भी पीटर और जॉन को एक साथ बताती है और वे इन सबके बाद भी एक साथ हैं। जब पॉल ने गलातियों 2 में शिष्यों का उल्लेख किया, तो उन्होंने कहा "पीटर, याकूब और जॉन तीन स्तंभ थे।" जब पॉल ने शुरुआती चर्च में बड़े लोगों को चुना, तो वे पीटर, याकूब और जॉन थे। इसलिए हम उम्मीद करेंगे कि जॉन एक सुसमाचार लिखे और वह निश्चित रूप से ऐसा करने के लिए योग्य था। जेम्स जल्दी ही तस्वीर से बाहर हो जाता है क्योंकि जॉन का भाई और ज़ेबेदी का बेटा, चर्च में बहुत पहले ही मारा जाता है। इसलिए जेम्स जल्दी ही रास्ते से हट जाता है। याकूब की पुस्तक का लेखक संभवतः यीशु का भाई है, न कि याकूब, जो यूहन्ना का भाई, ज़ेबेदी का पुत्र था।

दूसरा तरीका जिससे आप यह काम कर सकते हैं, वह यह है कि हम उन्मूलन प्रक्रिया करने

से पहले एक और काम करते हैं, लेकिन जिसने भी इस पुस्तक को लिखा है, वह शिष्यों की सोच के अंदर की बात जानता है। यूहन्ना 2:22 में लिखा है, "जब वह मरे हुओं में से जी उठा, तो उसके शिष्यों को याद आया कि उसने क्या कहा था। तब उन्होंने शास्त्रों और यीशु द्वारा कही गई बातों पर विश्वास किया।" तो यहाँ, आपके पास यह शिष्य है जिसे यीशु ने प्यार किया था, उसने शिष्यों की सोच में बदलाव को दर्ज किया। उसके मरे हुओं में से जी उठने के बाद, शिष्यों को यह समझ में आ गया। तो यह कुछ ऐसा है जैसे उन्हें पहले यह समझ में नहीं आया, लेकिन उसके मरे हुओं में से जी उठने के बाद, उन्होंने शास्त्रों को याद किया और इन बातों पर विचार किया। यह उस व्यक्ति का आंतरिक विवरण है जो वहाँ था और जिसने वास्तव में इसका अनुभव किया और पुनरुत्थान में यीशु के मरे हुओं में से जी उठने के बाद हुए बदलाव का वर्णन किया और बताया कि पुनरुत्थान ने उनकी समझ को कैसे प्रभावित किया।

तो आप पुस्तक को पढ़ते हैं और आप उस उन्मूलन प्रक्रिया के साथ काम करते हैं जिसे वेस्टकॉट ने विकसित किया है। आप देखेंगे कि पुस्तक में जिन शिष्यों के नाम हैं, वे "वह शिष्य नहीं हो सकते जिनसे यीशु प्रेम करते थे" क्योंकि वह खुद को उस शिष्य के रूप में नामित करता है जिससे यीशु प्रेम करते थे। पुस्तक में पीटर का उल्लेख है, पुस्तक में नथानिएल का उल्लेख है, और इनमें से कई अन्य लोगों का उल्लेख पुस्तकों में है। इसमें थॉमस पर संदेह नहीं किया जा सकता है, इस पर हम पूरी बात करेंगे। वैसे, लाजर का उल्लेख पुस्तक में नाम से किया गया है। यदि आप देखें, तो प्रमुख शिष्य कहाँ हैं? हमारे पास ये सभी प्रमुख शिष्य सूचीबद्ध हैं: थॉमस, नथानिएल, स्वयं पीटर, पुस्तक में सूचीबद्ध हैं, फिर यह शिष्य कौन है जिससे यीशु प्रेम करते थे? यदि आप पुस्तक में सूचीबद्ध सभी लोगों को हटा दें तो पूरी पुस्तक में एक कमी या एक अनुपस्थिति रह जाती है और वह है जॉन। शिष्य जॉन का उल्लेख पुस्तक में कहीं नहीं किया गया है। पीटर का उल्लेख किया गया है, जॉन का नहीं। तो आप सोचेंगे कि जो शिष्य पीटर के इतने करीब था, वह पीटर, जेम्स और जॉन कहेगा। नहीं, इस पुस्तक में ऐसा कभी नहीं कहा गया है और बहुत से शिष्यों का उल्लेख किया गया है, जिसमें लाजर, मैरी मैग्डलीन, ये सभी अन्य लोग जिन्हें हम वास्तव में अच्छी तरह से जानते हैं, निकोडेमस, आदि शामिल हैं, लेकिन पुस्तक में जॉन का कभी उल्लेख नहीं किया गया है। यदि आप पुस्तक में नामित लोगों को हटा देते हैं, तो हमारे पास जॉन बचता है, जो पुस्तक के लेखक होने के

लिए एक शीर्ष उम्मीदवार है। इसलिए हम सुझाव देंगे कि इस निष्कासन प्रक्रिया और इन सभी अन्य विवरणों के माध्यम से जॉन जॉन की पुस्तक का लेखक है।

सी. यूहन्ना और 1 यूहन्ना के बीच संबंध: 1 यूहन्ना 3:14 और यूहन्ना 5:24 [7:14-11:16]

अब, मैं 1 यूहन्ना और यूहन्ना के बीच के प्रमाणों पर भी थोड़ा काम करना चाहता हूँ। मैं ग्रीक पढ़ाता हूँ और हर साल हम 1 यूहन्ना पढ़ते हैं। मैं बस चकित रह गया: मैं अपने ग्रीक छात्रों के साथ 1 यूहन्ना क्यों पढ़ता हूँ? मैं ऐसा इसलिए करता हूँ क्योंकि 1 यूहन्ना वह है जिसे मैं आसान ग्रीक कहूँगा। 1 यूहन्ना की पुस्तक का लेखक खुद को बार-बार दोहराता है। वह शब्दावली के एक छोटे सेट का उपयोग करता है और वह उसे दोहराता है और पुनः उपयोग करता है और वह एक ही बात दो बार कहता है। एक बार वह इसे सकारात्मक रूप से कहेगा, एक बार वह इसे नकारात्मक रूप से कहेगा, लेकिन वह एक ही शब्दावली का उपयोग करता है इसलिए ग्रीक में अपने पैर जमाने वाले पहले वर्ष के छात्रों के लिए 1 यूहन्ना पढ़ना बहुत आसान है क्योंकि वह मूल रूप से अपने वाक्यों को जिस तरह से तैयार करता है। मैंने जो देखा है वह यह है कि कुछ जगहें हैं जहाँ 1 यूहन्ना और यूहन्ना जुड़ते हैं। और इसलिए, मैं जो दिखाना चाहता हूँ वह यह है कि जिसने भी यूहन्ना लिखा, मेरा सुझाव है कि उसने 1 यूहन्ना लिखा और वास्तव में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, यह वास्तव में उल्लेख करता है, "मैं यूहन्ना।"

मैं जानता हूँ कि कुछ लोग जॉन द एल्डर के नाम से जाने जाते हैं, जो भी हो, जो आरंभिक चर्च से है, लेकिन पुस्तक में "जॉन" लिखा है। परंपरागत रूप से रहस्योद्घाटन की पुस्तक, विशेष रूप से जॉन नाम से जुड़ी हुई है, उसी तरह जैसे पॉल अपने पत्रों में खुद को पहचानता है, "मैं, पॉल, यीशु मसीह का एक प्रेरित" इसलिए रहस्योद्घाटन की पुस्तक, जिसमें वहाँ सात चर्चों को लिखे गए पत्र हैं, खुद को जॉन के रूप में पहचानता है। लेकिन मुझे लगता है कि 1 जॉन और जॉन के बीच यह संबंध दिलचस्प है। आप यहाँ 1 जॉन 3:14 में देखें, यह कहता है, "हम *जानते हैं* कि हमने" और "पार कर लिया" शब्द पर ध्यान दें। *मेटाबेनव*, "पार कर लिया।" *मेटा* का अर्थ है "पास में" या "साथ", और *बैनव* का अर्थ है "जाना।" तो इसका अर्थ है "साथ जाना" या "पार कर लिया।"

तो हमने क्रॉस ओवर किया, हमने *मेटाबेनव-एड किया। यहाँ बहुत दिलचस्प बात यह है कि*

मेटाबेनव शब्द का प्रयोग परफेक्ट टेंस में किया जाता है, जो ग्रीक में एक विशेष काल है जो काफी दुर्लभ है। आम तौर पर ग्रीक में वर्तमान काल या एओरिस्ट का बहुत अधिक उपयोग किया जाता है। यह परफेक्ट टेंस बहुत दुर्लभ है। वास्तव में दुर्लभ नहीं है, लेकिन वर्तमान और एओरिस्ट की तुलना में काफी दुर्लभ है।

यह शब्द स्वयं नए नियम में पहले स्थान पर शायद ही कभी इस्तेमाल किया गया है और इसका सही रूप केवल दो स्थानों पर आता है, "हम मृत्यु से जीवन में पार हो गए हैं।" "पार हो गए हैं" हमें बताता है कि यह पूर्ण काल है - "मृत्यु से जीवन में क्योंकि हम भाइयों से प्रेम करते हैं।" यूहन्ना 5:24 में कहा गया है, "मैं तुमसे सच कहता हूँ, जो कोई मेरा वचन सुनकर उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, अनन्त जीवन उसका है। वह पार हो गया है।" यह फिर से पूर्ण काल में *मेटाबेनव* है। यह एकमात्र अन्य स्थान है जहाँ *मेटाबेनव* का उपयोग पूरे नए नियम में परफेक्ट काल में किया गया है। वैसे भी यह शब्द नए नियम में दुर्लभ है और यह बिल्कुल मेल खाता है। लेकिन ध्यान दें कि यह क्या कहता है, "वह मृत्यु से जीवन में पार हो गया है।" यह बिल्कुल वही वाक्यांश है, इसलिए न केवल आपको एक दुर्लभ शब्द, *मेटाबेनव* पूर्ण काल में मिलता है, बल्कि आपको यह भी मिलता है, "मृत्यु से जीवन की ओर" और यह नए नियम में एकमात्र स्थान है जहाँ *मेटाबेनव* पूर्ण काल में आता है और इसके बाद एक ऐसे लेखक द्वारा बिल्कुल वही वाक्यांश आता है जो मुहावरों में रुचि रखता है और खुद को दोहराता है।

D. यूहन्ना और 1 यूहन्ना के बीच संबंध: सामान्य वाक्यांश और रहस्योद्घाटन

[11:16-16:11]

"मैं तुमसे सच सच कहता हूँ।" यह कहाँ से आया है? यह जॉन से आया है। जॉन ने इसका इस्तेमाल कहाँ किया है? *आमीन, आमीन लेगव ह्यूमिन*। "मैं तुमसे सच सच कहता हूँ," और तुम जानते हो कि तुम यूहन्ना में हो। जब तुम जीवन से मृत्यु तक की बात देखते हो, तो फिर से यह एक बड़ा मुहावरा है जिसका यूहन्ना उपयोग करता है। नए नियम में कोई और जगह नहीं है जहाँ क्रिया पूर्ण रूप से हो, और उसके बाद "मृत्यु से जीवन तक" तो दूर की बात है, इसलिए यह एक अच्छा संकेतक है कि जो कोई भी इन पुस्तकों को लिख रहा है, यहाँ इनके बीच एक समानता है। कुछ लोग कहेंगे कि ऐसा इसलिए है क्योंकि 1 जॉन, या जॉन को जॉन के स्कूल द्वारा लिखा गया था, और

इसलिए उन्होंने उसकी शब्दावली को अपनाया। यह सब अनुमान है, मुझे बस इतना पता है कि इन ग्रंथों में, यहाँ एक सटीक समानांतर प्रतीत होता है जो कहीं और नहीं पाया जाता है और फिर भी ये दुर्लभ हैं और वे वहाँ पाए जाते हैं। फिर से, यह जॉन का एक संकेतक है। केवल दो स्थान हैं जहाँ उस क्रिया का इस तरह उपयोग किया जाता है।

यहाँ एक और है। यूहन्ना 16:24 में लिखा है, "मांगो और तुम्हें मिलेगा और तुम्हारा आनंद पूरा हो जाएगा।" - "ताकि तुम्हारा आनंद पूरा हो जाए," वह कहता है। 1 यूहन्ना 1:4 कहता है, "हम यह इसलिए लिखते हैं कि हमारा आनंद पूरा हो जाए।" आपको 1 यूहन्ना 1:4 और यूहन्ना 16:24 के बीच यह "आनंद पूरा हो सकता है" समानांतर मिलता है। एक ही तरह की शब्दावली बार-बार आती रहती है और मैं इन समानांतरों और प्रकाश और अंधकार के उपयोग की एक सूची बना सकता हूँ। यूहन्ना का लेखक ऐसा करता है और 1 यूहन्ना का लेखक प्रकाश और अंधकार के बीच उसी विरोधाभास का उपयोग करता है। ये बहुत बड़ी समानताएँ हैं। एक और समानांतर जो सामने आता है वह है "परमेश्वर से जन्म लेना।" यह यूहन्ना 3 में निकोडेमस के साथ पाया जाता है और हम जानते हैं कि आपको फिर से जन्म लेना है। इसका प्रयोग 1 यूहन्ना 3:9 और 1 यूहन्ना 5:1 में भी किया गया है, इसलिए "परमेश्वर से जन्मा होना" का यह विचार यूहन्ना 3 और 1 यूहन्ना 3 और 1 यूहन्ना 5 में आता है। तो फिर, यह सामान्य शब्दावली नहीं है यदि आप नए नियम में कहीं और देखें, तो आपको वह नहीं मिलेगा, खासकर, फिर से, "परमेश्वर से जन्मा होना" शब्द। दुर्लभ, बहुत दुर्लभ और फिर भी यह यूहन्ना और 1 यूहन्ना में बार-बार आता है। तो फिर, वह अपनी शब्दावली को दोहराना पसंद करता है और इसलिए हम यह देखने की उम्मीद करेंगे कि उसका पत्र उसके सुसमाचार की समानताओं का अनुसरण करता है। इनमें से कई, कई और हैं जिन्हें हम देख सकते हैं और 1 यूहन्ना और यूहन्ना के बीच इन संबंधों का हवाला दे सकते हैं। ये एकमात्र स्थान हैं जहाँ उनका उपयोग किया गया है, यूहन्ना और 1 यूहन्ना में। इससे पता चलता है कि इन दोनों पुस्तकों के बीच किसी तरह का संबंध है, हम एक ही लेखक का सुझाव देंगे। वह समान मुहावरों और समान शैली के साथ लिखता है

यदि आप प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को देखें, तो वह स्पष्ट रूप से खुद को यूहन्ना के लेखक के रूप में पहचानता है। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, इस शब्द *निकाव का* मूल रूप से अर्थ है

"जीतना।" इसलिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में आपको अध्याय दो, पद सात और पद 11 में चर्चों को लिखे गए पत्रों का उल्लेख मिलता है। प्रकाशितवाक्य के अध्याय दो में आपको *निकाव*, जीतना, का इस्तेमाल मिलता है। आपको वही शब्द मिलता है, और यह नए नियम में बहुत बार इस्तेमाल होने वाला शब्द नहीं है, लेकिन आपको इसे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दोहराया हुआ मिलता है, आपको इसे 1 यूहन्ना 2:13 और उसके बाद और यूहन्ना 16:33 में भी इस्तेमाल हुआ मिलता है। पुनः, यह प्रकाशितवाक्य, इस शब्द *निकौ*, इन विजेताओं को प्रकाशितवाक्य, 1 यूहन्ना और यूहन्ना के साथ जोड़ेगा, ये तीनों इस शब्द का प्रयोग करते हैं जिसका प्रयोग यूहन्ना के संग्रह के बाहर बहुत अधिक नहीं किया गया है, अतः यह प्रकाशितवाक्य, यूहन्ना और 1 यूहन्ना को एक साथ जोड़ेगा और प्रकाशितवाक्य की स्पष्ट पहचान को दर्शाएगा कि यूहन्ना ही इसका लेखक है।

ई. जॉन द पर्सन: मछुआरा और जॉन की माँ [16:11-19:20]

हमारे यहाँ रिकॉर्ड में, वह ज़ेबेदी का बेटा है। ज़ेबेदी एक मछुआरा था और उसके बेटे, जेम्स और जॉन, मछुआरे थे। यीशु उन्हें गलील की झील के पास बुलाता है। मूल रूप से उसकी माँ, और यह दिलचस्प है और मैंने इसे इस साल ही उठाया है। मैं इसे थोड़ा सा दिखाना चाहता हूँ। उसके पिता ज़ेबेदी थे और यह उनकी माँ के बारे में कहा गया है। ज़ेबेदी, जेम्स और जॉन के पिता, ज़ेबेदी वास्तव में पवित्रशास्त्र में कहीं भी नहीं आता है सिवाय इसके कि जेम्स और जॉन ज़ेबेदी के बेटे थे, लेकिन माँ यीशु के साथ बनी रही। कई महिलाएँ, यह मैथ्यू 27:56 है, "कई महिलाएँ वहाँ [क्रूस पर] थीं। वे यीशु की ज़रूरतों की देखभाल करने के लिए गलील से उसके पीछे चली आई थीं। उनमें मरियम मगदलीनी, मरियम, जेम्स और जोस की माँ और ज़ेबेदी के बेटों की माँ थीं।" इस महिला का संबंध मैरी मैग्डलीन और जेम्स और जोस की माँ मैरी से था, शायद वह यीशु की माँ मैरी थी, और वह गलील से नीचे आने वाली मसीह के क्रूस पर सूचीबद्ध तीन महिलाओं में से एक थी। अन्य मार्ग कहते हैं कि गलील की महिलाओं ने उनके मंत्रालय में यीशु का समर्थन किया। संभवतः गलील का एक धनी परिवार, एक मछुआरा परिवार, माँ नीचे आती है और यीशु का अनुसरण करती है। मुझे लगता है कि यह इस उदाहरण पर थोड़ा प्रकाश डालता है। अगर आपको मैथ्यू 20 में याद है, तो जेम्स और जॉन की माँ यीशु के पास जाती है और कहती है, "हे, यीशु, क्या मेरे बेटे आपके राज्य में

आने पर बाएं और दाएं बैठ सकते हैं?" और आम तौर पर यह ऐसा होता है, "यह हेलीकॉप्टर मां कौन है जो अंदर आकर कह रही है 'अरे, मैं चाहती हूं कि जब आप राज्य में प्रवेश करें तो मेरे बच्चे आपके दाएं और बाएं हों' लेकिन यह माँ, ज़ेबेदी की पत्नी, याकूब और यूहन्ना की माँ, इस तरह के असभ्य और अचानक वाक्यांशों के साथ आती है, यीशु से पूछती है और यीशु कहते हैं, "मेरे राज्य में मेरे दाएँ और बाएँ कौन जाएगा, यह मेरे पिता द्वारा तैयार किया गया है और यह तुम्हारे लिए पूछने का विषय नहीं है।" लेकिन यह सिर्फ यह दर्शाता है कि यह महिला, याकूब और यूहन्ना की माँ, यीशु के साथ "एक" थी और यह इतना अचानक नहीं था। उसे सहज महसूस हुआ कि वह यीशु से अपने दो लड़कों के बारे में पूछ सकती है और यहाँ हम उसे क्रूस पर देखते हैं। वह वहाँ क्रूस पर तीन आखिरी महिलाओं में से एक है। तो याकूब और यूहन्ना की माँ जाहिर तौर पर यीशु के साथ थी और इस चीज़ को आगे बढ़ाने में मदद कर रही थी क्योंकि यीशु यात्रा कर रहे थे और गलील से नीचे आए थे। तो यह याकूब और यूहन्ना की माँ के बारे में दिलचस्प है।

F. 12 प्रेरित क्यों? [19:20-24:07]

सवाल उठता है, "12 प्रेरित क्यों हैं?" जैसे ही मैं बारह की संख्या कहता हूँ, आपके दिमाग में क्या आता है? आप में से कई लोगों ने मेरे साथ पुराना नियम पढ़ा होगा, और जैसे ही मैं 12 कहता हूँ, आप इसराइल की 12 जनजातियों के बारे में सोचना शुरू कर देते हैं। अब आप समझते हैं, और अगर आप पुराने नियम से गुज़रे हैं, तो पाते हैं कि 12 जनजातियाँ हैं, लेकिन फिर यूसुफ़ ने एप्रैम और मनस्सास, अपने दो बच्चों को आशीर्वाद दिया, और जैकब ने कहा "मैं तुम्हारे दो बच्चों को गोद लेता हूँ, यूसुफ़" और एप्रैम इसराइल की सबसे बड़ी जनजातियों में से एक बन गया, जबकि दक्षिण में यहूदा और उत्तर में एप्रैम थे। तो वास्तव में 13 जनजातियाँ हैं, और फिर आपको याद है कि लेवियों को ज़मीन के साथ कोई विरासत नहीं मिलती, उन्हें लेवीय शहर मिलते हैं और इसलिए यह है - अभी भी इसराइल की 12 जनजातियों के लिए 12 की संख्या है। मूसा ने भूमि की जासूसी करने के लिए जासूस भेजे, उसने भूमि की जासूसी करने के लिए 12 लोगों को भेजा, प्रत्येक जनजाति से एक।

जोशुआ जॉर्डन नदी पार करता है और 12 पत्थर उठाता है और नदी पार करने के बाद एक

स्मारक स्थापित करता है , इससे पहले कि वे जेरिको से लड़ने के लिए जाएं और संख्या 12 बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसा लगता है कि संख्या 12 .

मैं यहाँ अपने एक मित्र डेव मैथ्यूसन का कथन उद्धृत कर रहा हूँ, जो न्यू टेस्टामेंट के विद्वान हैं और इस तरह की चीज़ों के जादूगर हैं। अगर मैं आपको सात नंबर बताऊँ, तो पवित्र शास्त्र में सात नंबर का इस्तेमाल इतनी बार किया गया है... ईमानदारी से कहूँ तो, मैं अंकशास्त्र में ज़्यादा दिलचस्पी नहीं रखता, क्योंकि इन नंबरों के गुप्त अर्थ होते हैं। मुझे लगता है कि आपको संख्याओं के रहस्यमयी इस्तेमाल के बारे में सावधान रहना चाहिए। आप पवित्र शास्त्र को देखने के ज़्यादा "जादुई" तरीके से आगे बढ़ रहे हैं और मैं इसमें बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं रखता। हालाँकि, हम जानते हैं कि सात नंबर पूर्णता, परिपूर्णता या समग्रता की धारणा है। डॉ. मैथ्यूसन का सुझाव है कि 12 नंबर ईश्वर के लोगों की संख्या है। पहले तो मैं इसे लेकर थोड़ा झिझक रहा था, लेकिन डॉ. मैथ्यूसन की सभी बातों की तरह, जब मैं इसके बारे में ज़्यादा सोचता हूँ, तो मुझे अचानक एहसास होता है कि "वह यहाँ कुछ सही कह रहे हैं!"

पुराने नियम में 12 की संख्या और 12 प्रेरित। क्या यह विशेष है कि उनमें से 12 हैं? जब यहूदा ने खुद को फाँसी लगाई, तो ऐसा लगा जैसे यीशु ने 12 प्रेरितों को चुना था, लेकिन कोई बड़ी बात नहीं थी। लेकिन यहूदा ने खुद को फाँसी लगाई और इसलिए यह "ओह नहीं, हमारे पास ग्यारह हैं।" ऐसा नहीं हुआ। प्रेरितों के काम 1 में, यहूदा के खुद को फाँसी लगाने के बाद, वे बारहवें प्रेरित को खोजने के लिए एक बड़े अनुष्ठान से गुजरते हैं , उसका नाम मथायस है। प्रेरितों के काम 1 में वे वर्णन करते हैं कि व्यक्ति को शुरू से ही यीशु के साथ रहना था और प्रेरित होने के लिए कुछ निश्चित आवश्यकताएँ थीं, "भेजा गया एक", जैसा कि प्रेरित का अर्थ है। हमें बाद में पता चलता है कि इस्राएल में 12 थे लेकिन वास्तव में यूसुफ के दो बेटे थे। इसलिए नए नियम में, आपको प्रेरित पौलुस मिलता है, प्रेरित पौलुस को यीशु द्वारा सीधे बुलाया जाता है। यीशु सीधे पौलुस के सामने प्रकट हुए और फिर पौलुस ने खुद को एक प्रेरित, मसीह द्वारा भेजा गया व्यक्ति बताया। इसलिए आपको इस्राएल की तरह ही संख्या वाली चीज़ के साथ 12 मिलते हैं। इस्राएल में 12 गोत्र हैं और 12 प्रेरित हैं।

क्या आपको यीशु का कथन याद है? प्रकाशितवाक्य 21:14 में, यह स्वर्ग से नीचे आने वाले

नए यरूशलेम का वर्णन करता है और इसमें 12 द्वार हैं और 12 द्वार 12 जनजातियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन शहर की नींव 12 प्रेरित हैं। आपके पास 12 प्रेरित हैं जो इस नए यरूशलेम की नींव हैं जो 12 जनजातियों द्वारा प्रतिनिधित्व किए जा रहे द्वारों के साथ नीचे आ रहे हैं। फिर से, डॉ. मैथ्यूसन 12 द्वारों और 12 नींवों को परमेश्वर के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए लेते हैं, व्यापक। वैसे, 144,000। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में 12 बार 12। मैथ्यू 19:28 में यीशु यह भी कह रहे हैं कि तुम शिष्य इस्राएल के 12 जनजातियों का न्याय करोगे। यीशु अपने 12 शिष्यों के बीच इस समन्वय को स्थापित करते हैं और यह कि ये 12 शिष्य मैथ्यू 19:28 में इस्राएल के इन 12 जनजातियों का न्याय करेंगे। प्रेरितों की संख्या 12 है और प्रेरितों के कार्य की पुस्तक में इस बात को सुनिश्चित किया गया है।

जी. यीशु, थंडर और पॉलीकार्प के पुत्रों के साथ अंतरंगता [24:07-27:33]

यीशु के साथ विशेष परिस्थितियाँ, हमने पहले भी इनका उल्लेख किया है। पीटर, जेम्स और जॉन के साथ रूपांतरण। मृत लड़की का जी उठना पीटर, जेम्स और जॉन के साथ है। गेथसेमेन का बगीचा जब यीशु प्रार्थना करने जाता है। यीशु के साथ कौन आगे बढ़ता है? पीटर, जेम्स और जॉन। इन लोगों की यीशु के साथ विशेष अंतरंगता थी। मार्क की पुस्तक में, जेम्स और जॉन बाहर थे और यीशु को इन शहरों में से एक में अस्वीकार कर दिया गया था और जेम्स और जॉन ने यीशु से कहा, "यीशु, क्या आप चाहते हैं कि हम स्वर्ग से आग बरसाएँ?" और उन्हें "थंडर के बेटे" कहा गया। जब उन्हें थंडर के बेटे कहा जाता था, तो इसका मतलब यह नहीं था कि उनके पिता, ज़ेबेदी का नाम थंडर था और इसलिए उन्होंने उन्हें थंडर के बेटे कहा। जब आप किसी को पुराने नियम में किसी चीज़ का बेटा कहते हैं, तो इसका मतलब है कि उनके पास वह गुण है। उन्हें थंडर के बेटे कहा जाता है क्योंकि यह गुण, जिसे हम आज स्लैंग शब्दावली में इस्तेमाल करते हैं, जब हम किसी को "बेटा ऑफ़ ए..." कहते हैं या जब हम कहते हैं कि आप "क्या के बेटे हैं," तो हम आपके पिता की निंदा नहीं कर रहे होते हैं, लेकिन हम कहते हैं कि आप एक खाली बेटे हैं, *आपके* पास वह गुण है। आप एक ब्लिप के बेटे हैं, इसका मतलब है कि आपके पास वह गुण है, इसलिए हम आज भी इसका इस्तेमाल करते हैं। इसलिए उन्हें थंडर के बेटे कहा जाता था, इसलिए वे काफी उग्र रहे

होंगे।

यहाँ आरंभिक चर्च से एक रोचक बात है। पॉलीकार्प नाम का यह व्यक्ति वास्तव में जॉन के अधीन अध्ययन करता था। पॉलीकार्प आरंभिक चर्च के एक पादरी थे और मेरा मानना है कि वे 86 वर्ष के हैं। ऐसा लगता है कि जॉन यीशु से कम उम्र के थे और जॉन 90 के दशक में रहते हैं, जो कि यीशु की मृत्यु के लगभग 60 वर्ष बाद है। जॉन बहुत बूढ़े थे, मैं 90 के दशक के उत्तरार्ध की बात कर रहा हूँ और कुछ लोग 95-98 ई. का समय सुझाते हैं। जॉन के शिष्यों में से एक का नाम पॉलीकार्प है। पॉलीकार्प, जो संभवतः 80 और 90 के दशक में जॉन के साथ थे, मूल रूप से दूसरी शताब्दी तक जीवित रहे और पॉलीकार्प का एक शिष्य था जिसका नाम इरेनियस था और इरेनियस पॉलीकार्प का छात्र था, जैसे प्लेटो, सुकरात का छात्र और अरस्तू प्लेटो का छात्र था। इरेनियस ने कुछ बातें लिखीं जो पॉलीकार्प ने उसे बताई और कुछ बातें जो उसने कही। आपको चर्च के इतिहास के साथ सावधान रहना होगा क्योंकि वे हमेशा 100% नहीं होते हैं। आपके पास पॉलीकार्प है, जो बहुत पहले अपने गुरु जॉन द्वारा दिए गए सुसमाचार का उल्लेख करता है।

एच. जॉन की तिथि और उच्च क्राइस्टोलॉजी [27:33-34:48]

डी: संयुक्त एचजे: 27:33-39:02; क्राइस्टोलॉजी, उद्देश्य, यूहन्ना 3:16;

बहुत से लोग जॉन की पुस्तक को सुसमाचारों में सबसे नवीनतम मानते हैं, बहुत बाद की बात करते हैं और वह 90 के दशक तक जीवित रहे और कुछ सुझाव देते हैं कि उन्हें तेल में उबाला गया और वे पटमोस द्वीप से बाहर आए और हम इसे रहस्योद्घाटन की पुस्तक से जानते हैं। उस समय के अपराधियों के साथ ऐसा ही किया जाता था, जैसे प्राचीन दुनिया के अलकाट्राज़ में। बहुत से लेखक कहते हैं कि जॉन की पुस्तक धर्मशास्त्र की दृष्टि से सबसे परिष्कृत है। परिष्कृत शब्द शायद सही शब्द नहीं है, लेकिन मैं बस इतना ही कहूंगा "उच्च धर्मशास्त्र।" जॉन की पुस्तक जिस तरह से यीशु को देखती है, वह पॉल के लेखन की तरह जटिल नहीं है। यहां तक कि पीटर भी कहते हैं कि पॉल ने कुछ ऐसी बातें लिखीं जो उन्हें समझ में नहीं आईं, और यह आज भी सच है, लेकिन जॉन के साथ, यह इतना जटिल नहीं है। यह मसीह के बारे में एक उच्च दृष्टिकोण है। जॉन घोषणा करता है कि यीशु मसीह ईश्वर है। जब आप यीशु मसीह के देह में स्वयं ईश्वर होने का क्राइस्टोलॉजी

चाहते हैं, तो जॉन वह जगह है जहां आप उस तरह के उच्च धर्मशास्त्र के लिए जाते हैं।

ऐसा होता है कि बहुत से आलोचक यह कहते हैं कि "हमें लगता है कि आपके पास यीशु नाम का एक व्यक्ति था, जो एक महान भविष्यवक्ता था जो जादूगर की तरह काम करता था, और जो हुआ वह यह कि चर्च ने बाद में आकर यीशु मसीह को भगवान का रूप दे दिया," इसलिए वे कहते हैं कि धर्मशास्त्र बाद में आया। और यह दूसरी शताब्दी के चर्च को दर्शाता है। फिर से, यह वास्तव में गलत है। हर कोई यीशु को अच्छे भविष्यवक्ता और एक महात्मा गांधी या स्टेरॉयड पर मार्टिन लूथर किंग के रूप में पसंद करता है। वे यीशु को एक भविष्यवक्ता के रूप में पसंद करते हैं, लेकिन जैसे ही आप कहते हैं कि यीशु मसीह भगवान हैं, तो लोग भड़क जाते हैं। जॉन की पुस्तक पर काफी आलोचना हुई है क्योंकि जॉन ने भगवान के रूप में यीशु मसीह के बारे में बहुत कुछ बताया है। वैसे, आपको यह साबित करने के लिए जॉन का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। जब आप पुराने नियम के कुछ अंशों को देखते हैं तो हमने मार्क 1:1 का उपयोग किया, यह यहोवा को संदर्भित करता है और वे अंश जो यहोवा को संदर्भित करते हैं वे यीशु पर लागू होते हैं। यहां तक कि मार्क 1 में भी आपको वही बात मिलती है और पॉल और प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में भी आपको वही बात मिलती है। इस बात पर कुछ चर्चा हुई है कि यह बाद की तारीख है। कुछ लोग इस बात को बाद की तारीख बताते हैं और इस बारे में जो बात वाकई दिलचस्प है वह है जिसे "P52" कहा जाता है। P52 पपीरस संख्या 52 है और यही वह है जो उन्हें मिस्र में इन पपीरस को खोजने पर मिला था। उन्हें पवित्रशास्त्र के ये सभी पपीरस मिले जो बहुत पुराने हैं और हमारी सर्वश्रेष्ठ पांडुलिपियों से भी पुराने हैं। हमारी सर्वश्रेष्ठ पांडुलिपियाँ 400-600 ई. या उस तरह की होंगी। हमारी छोटी-छोटी पांडुलिपियाँ, जिन पर किंग जेम्स आधारित है, 900-16वीं शताब्दी ई. की हैं। अनसियल, जो सभी बड़े अक्षरों में 400-600 ई. के लिखे गए हैं। पपीरस 400 या 600 ई. के नहीं हैं, बल्कि वे पहले के हैं और उनमें से एक पपीरस जो उन्हें वास्तव में 125 ई. का मिला है, जो जॉन द्वारा लिखे जाने के 30 साल के भीतर है। उनके पास जॉन 18:31-33 का एक अंश है। वे पपीरी कहाँ पाते हैं? अगर आप पपीरी को फिलिस्तीन में रखते हैं, तो क्या समस्या है? अगर आप उन्हें इज़राइल में रखते हैं, तो वहाँ बहुत ज़्यादा नमी होती है।

पपीरस क्या है? पपीरस एक पौधे से आता है जिसमें रेशे होते हैं, वे इस तरफ जाते हैं और

रेशे उस तरफ जाते हैं, वे इसे दबाते हैं और इससे कागज बनाते हैं। खैर, समस्या क्या है? आप उस कागज को फिलिस्तीन में ले जाते हैं और नमी 200-300 वर्षों के भीतर इसे नष्ट कर देती है। इसे 2000 वर्षों तक चलना है। इसलिए मिस्र ही एकमात्र ऐसा स्थान है जो इन पपीरस को संरक्षित करने के लिए पर्याप्त सूखा है। इसलिए वे मिस्र में जाते हैं और उन्हें पपीरस का यह ढेर मिलता है और इसमें पवित्रशास्त्र है और कुछ पाठ नए नियम से हैं।

अब दिलचस्प बात यह है कि जॉन तुर्की के इफिसस में है और ये पपीरी तीस साल बाद मिस्र में नील नदी के किनारे गहरे इलाकों में पाई जाती है। तो आपके पास न केवल तीस साल का अंतर है बल्कि आपको इसे इफिसस से मिस्र तक लाना है। यह एक तरह से आश्चर्यजनक खोज है। वैसे, क्या आप प्लेटो, अरस्तू, थ्यूसीडाइड्स या हेरोडोटस, इनमें से किसी भी व्यक्ति के किसी अन्य प्राचीन पाठ का उल्लेख कर सकते हैं, जिसमें उस व्यक्ति के रहने के तीस साल के भीतर की पांडुलिपि हो। ऐसा कोई नहीं है। शास्त्र अद्वितीय है। हमें प्राचीन दुनिया के किसी भी अन्य दस्तावेज़ की तुलना में शास्त्र के लिए बेहतर सबूत मिले हैं। जॉन के रहने के तीस साल के भीतर ही हमें यहाँ जॉन का एक अंश मिला है। तो यह आश्चर्यजनक है।

जॉन शायद इफिसस से लिख रहा है। आपको याद होगा कि तीसरी मिशनरी यात्रा पर पॉल इफिसस जाता है और इफिसस में तीन साल बिताता है। फिर बाद में जाहिर तौर पर पॉल के चले जाने के बाद, जॉन आता है और जॉन इफिसस में मंत्रालय करता है, लेकिन बहुत बाद में। पॉल की मृत्यु 67-68 ई. के आसपास होगी और जॉन 97-98 ई. तक वहाँ मंत्रालय करेगा, जो पॉल की मृत्यु के तीस साल बाद, रोम में उसका सिर कलम कर दिया गया था।

यहाँ पपीरस की एक प्रति है और आप वास्तव में ग्रीक अक्षर देख सकते हैं। मेरे कुछ ग्रीक छात्र इस कप्पा, अल्फा, आयोटा को *काई शब्द के रूप में पहचानेंगे* जिसका अर्थ है "और।" आप देख सकते हैं कि यह कितना खंडित है और काफी हद तक बहुत भंगुर है। यह दो हजार सालों से वहाँ है। अगर आप ध्यान से देखें तो मुझे यकीन नहीं है कि कैमरा इसे पकड़ पाएगा या नहीं, लेकिन फाइबर, आप वास्तव में पपीरस के फाइबर देख सकते हैं। तो फिर यह कागज़ की तरह लिखा हुआ है और टूट गया है लेकिन आप लेखन देख सकते हैं। जब आप इस पर लेखन देखते हैं तो आप अनुमान लगा सकते हैं कि यह कहाँ से है। यह जॉन 18 से है। इस पपीरस को पुरालेखकारों द्वारा

125 ईस्वी में दिनांकित किया गया है और इसे आम तौर पर सही माना जाता है। तो यह जॉन के तीस साल के भीतर है। आप इसे कक्षा में देख सकते हैं। यह उस दुनिया में आश्चर्यजनक है जिसमें हम रहते हैं जहाँ इसे 2000 वर्षों तक दफन किया गया था, उन्होंने इसे खोज लिया और अब आप इस तरह की कक्षा में आ सकते हैं मैं इसे रख सकता हूँ और आप इसे देख सकते हैं। आपको ब्रिटिश म्यूजियम या लूवर या ऐसी किसी जगह जाने की जरूरत नहीं है, इंटरनेट के साथ हम जो कुछ देख सकते हैं वह अद्भुत है।

I. यूहन्ना की पुस्तक का उद्देश्य [34:48-37:02]

अब मैं यहाँ कुछ गियर बदलना चाहता हूँ। मैं आगे जो पूछना चाहता हूँ वह यह है: जॉन की पुस्तक के लेखन के लिए चार उद्देश्य, चार या हाँ पाँच उद्देश्य क्या हैं? इसलिए मैं इस BCGGS एक्रोस्टिक के माध्यम से जाने वाला हूँ ये लेखन के उद्देश्य हैं। दूसरे शब्दों में, जॉन ने इसे क्यों लिखा? हमारे पास एक लेखक है, जॉन, या जिसने भी इसे लिखा है, और हमारे पास एक पाठक है और इसलिए लेखक और पाठक के बीच एक बातचीत होती है। और यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि लेखक और पाठक के बीच क्या चल रहा है जिसने पुस्तक के लेखन, इसके अवसर को प्रेरित किया। इसलिए हम उन कारणों को देखना चाहते हैं कि उन्होंने इसे क्यों लिखा। अब दिलचस्प बात यह है कि जॉन वास्तव में हमें स्पष्ट रूप से बताता है। बहुत से लेखकों के लिए हमें आगमनात्मक और निगमनात्मक प्रक्रियाओं का उपयोग करके इसे समझना पड़ता है। हम पाठ को देखकर निष्कर्ष निकालते हैं। जॉन आपको अनुमान लगाने के लिए नहीं छोड़ता है वह आपको सीधे बताता है। मुझे उसकी स्पष्टवादिता पसंद है। वह इसे सीधे सामने रखता है। यूहन्ना 20:30, यूहन्ना ने पुस्तक क्यों लिखी? “यीशु ने अपने शिष्यों के सामने और भी बहुत से चमत्कार किए, जो इस पुस्तक में दर्ज नहीं हैं, लेकिन ये लिखे गए हैं, [क्यों?] ताकि तुम विश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है।” यूहन्ना ने क्यों लिखा? उसने सब कुछ दर्ज नहीं किया। उसने कहा कि अगर तुम यीशु द्वारा किए गए हर काम को लिखो तो दुनिया की किताबें उस सब को समाहित नहीं कर सकतीं। “लेकिन ये इसलिए लिखे गए हैं कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही मसीह है, परमेश्वर का पुत्र है, और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ।

नाम के धर्मशास्त्र पर ध्यान दें। मृत्यु के विपरीत जीवन के धर्मशास्त्र पर ध्यान दें, जिसे हमने अभी संक्रमण, मृत्यु से जीवन में पार होते हुए देखा। वे विषय अब यहाँ यूहन्ना में प्रतिध्वनित होते हैं। तो “ताकि उसके नाम पर विश्वास करने से तुम्हें जीवन मिले।” किसी के पास जीवन कैसे होता है? परमेश्वर के पुत्र के रूप में यीशु के नाम पर विश्वास करने से किसी के पास जीवन होता है। इसलिए यूहन्ना ने इसे स्पष्ट रूप से कहा है।

जे. यूहन्ना 3:16 पर टिप्पणियाँ [37:02-39:02]

फिर वह कहता है, उदाहरण के लिए, "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।" फिर से विश्वास करने की धारणा जीवन से जुड़ी हुई है। यूहन्ना 3:16 एक बहुत प्रसिद्ध अंश है। वैसे, मैं अभी यहीं कहूँगा। क्या आपने गौर किया जब मैंने पढ़ा "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया।" मैं किंग जेम्स संस्करण का व्यक्ति हूँ, मैं एक बहुत ही रूढ़िवादी चर्च में पला-बढ़ा हूँ जो केवल किंग जेम्स संस्करण का उपयोग करता था, इसलिए "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया।" लेकिन यह बहुत दिलचस्प है कि जब आप ग्रीक को देखते हैं तो शब्द "एकमात्र जन्मा" नहीं होता है। "एकमात्र जन्मा" का अर्थ है माता-पिता से "जन्मा" यह वह शब्द नहीं है जिसका वहाँ उपयोग किया गया है। *मोनोजीनेस* - *मोनो* का अर्थ है "एक", *जीन* का मूल रूप से अर्थ है "एक तरह का।" यह एक *सुई जेनेरिस* है जिस तरह से दूसरे इसे कहते हैं। इसका मतलब है कि वह "एक तरह का" है। तो वास्तव में आपके ज़्यादा आधुनिक अनुवाद इसे ज़्यादा सटीक रूप से अनुवादित करेंगे। यह “एकमात्र पुत्र” नहीं है अब्राहम का “एकमात्र पुत्र इसहाक” था। खैर, अगर आप अब्राहम के बारे में कुछ जानते हैं तो आप जानते होंगे कि इसहाक उसका एकमात्र पुत्र नहीं था क्योंकि अब्राहम का एक बेटा भी था जिसका नाम इश्माएल था। वास्तव में, इसहाक के बाद, उसके कई बेटे भी थे जो उत्पत्ति 12 और उसके बाद के लेखों में सूचीबद्ध हैं। तो इसका मतलब यह है कि यीशु मसीह उसका *मोनोजीनेस* “एक तरह का बेटा” है। इसलिए इसका अनुवाद NIV में किया गया है,

उदाहरण के लिए, “क्योंकि परमेश्वर ने जगत से इतना प्रेम किया कि उसने अपना *एक और एकलौता* पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो बल्कि अनन्त जीवन पाए।”

के. जॉन में चमत्कारों पर हस्ताक्षर करें [39:02-40:48]

E: संयुक्त KM; 39:02-47:22; जॉन में चमत्कारों पर हस्ताक्षर करें

आइए संकेत चमत्कारों पर नज़र डालें। जॉन ये चमत्कार देने जा रहा है। यह बहुत दिलचस्प है कि जॉन अपने चमत्कार कैसे करता है। अब मैं जॉन में संकेत चमत्कारों को देखना चाहता हूँ। जॉन में लगभग सात संकेत चमत्कार हैं। यह अन्य सुसमाचार लेखकों से बहुत अलग है। अन्य सुसमाचार लेखकों में, एक व्यक्ति यीशु के पास आता है और कहता है, “मेरी बेटी बहुत बीमार है, यीशु क्या आप आकर मेरी मदद करेंगे। मुझे विश्वास है कि आप मेरी मदद कर सकते हैं, लेकिन अगर आप कर सकते हैं तो मेरी मदद करें।” यीशु कहते हैं, ‘अगर मैं कर सकता हूँ तो तुम्हारा क्या मतलब है?’ वह कहते हैं, ‘अरे, अगर तुम विश्वास करते हो तो मैं जाकर करूँगा लेकिन अगर तुम विश्वास नहीं करते हो तो अपना काम ठीक से करो, अगर तुम विश्वास नहीं करते हो तो मैं वहाँ नहीं आऊँगा।” वह व्यक्ति कहता है “मुझे विश्वास है लेकिन मेरे अविश्वास की मदद करो।” तो जो होता है वह यह है कि बहुत से अन्य सुसमाचारों में विश्वास संकेत करने का एक अग्रदूत है। एक व्यक्ति को पहले विश्वास करना चाहिए और फिर वे ठीक हो जाते हैं। यह कई अन्य सुसमाचारों में अनुक्रम है। व्यवस्था यह है कि व्यक्ति विश्वास करता है और फिर वह चंगा हो जाता है।

यहाँ यूहन्ना की पुस्तक में, यह बहुत दिलचस्प है कि यूहन्ना चमत्कारों का उपयोग उससे बहुत अलग तरीके से करता है। यहाँ यीशु चमत्कार करता है और फिर चमत्कार के बाद उसके शिष्य उस पर अपना विश्वास रखते हैं, चमत्कार के बाद लोग उस पर विश्वास करते हैं। इसलिए इन्हें संकेत चमत्कार कहा जाता है। यूहन्ना कुछ को चुनता है, वह उन सभी को नहीं करता है। वह बस कुछ को चुनता है और वह वास्तव में इन चमत्कारों पर ध्यान केंद्रित करता है जो विश्वास को जन्म देते हैं। उसका एक प्रमुख विषय क्या है: प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो और तुम बच जाओगे। यूहन्ना विश्वास और अनंत जीवन की धारणा को आगे बढ़ा रहा है। इसलिए वह चमत्कारों का

उपयोग करता है। यीशु चमत्कार करता है और जो लोग उसे देखते हैं वे विश्वास के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।

एल. चमत्कारों का संकेत: काना में विवाह भोज [40:48-42:13]

इसका एक उदाहरण पानी से शराब बनाने का चमत्कार है। अब हम अध्याय 2 में इस पर वापस आएं। यीशु काना के विवाह भोज में हैं। काना शहर उनके गृहनगर नासरत से बहुत दूर नहीं है। उनकी माँ मरियम वहाँ हैं। मरियम उनके पास आती है और कहती है, "यीशु, उस आदमी की शराब खत्म हो गई है, क्या आप यहाँ की स्थिति में मदद कर सकते हैं?" यीशु कहते हैं, "अरे, मेरे और तुम्हारे बीच क्या है? हमें इससे क्या लेना-देना?" उनकी माँ नौकरों से कहती हैं, "वह जो भी कहे, बस वही करो।" खैर, यीशु कहते हैं, "ठीक है, ये पत्थर के पानी के बर्तन लो जो 160 गैलन के हैं।" यीशु कहते हैं, "इन सभी को पानी से भर दो।" तो लोग इसे पानी से भर देते हैं। वह कहते हैं, "अब इसे ले जाओ और इसे विवाह के राज्यपाल के पास ले जाओ और उसे पीने दो।" यीशु पानी को शराब में बदल देते हैं। यह 160 गैलन शराब थी, यह बहुत शराब है। यह एक बड़ी पार्टी रही होगी। दरअसल शहर इतने बड़े नहीं थे, इसलिए उस शहर के लिए यह एक बड़ी पार्टी रही होगी। इसलिए शराब राज्यपाल के पास जाती है, राज्यपाल कहता है, "वाह, यह वाकई बहुत बढ़िया है। ज़्यादातर लोग सबसे अच्छी शराब पहले पेश करते हैं और फिर जब लोग अच्छी तरह पी लेते हैं और उन्हें कुछ भी ज़्यादा स्वाद नहीं आता तो वे खराब शराब पेश करते हैं, लेकिन आपने सबसे अच्छी शराब आखिर तक बचाकर रखी है।" बेशक, लोगों को पता था कि यह यीशु ही थे जिन्होंने पानी को शराब में बदल दिया था। तो यह कैना में शादी की दावत है जहाँ यीशु पानी को शराब में बदल देते हैं। वैसे, जॉन ही एकमात्र व्यक्ति है जिसने उस चमत्कार को दर्ज किया है। चमत्कारों के बाद कुछ लोगों ने उस पर विश्वास किया।

M. यूहन्ना में अन्य चिन्हात्मक चमत्कार [42:13-47:22]

एक और चमत्कारिक संकेत बेथेस्डा के तालाब पर लकवाग्रस्त व्यक्ति का है। पानी हिलता है, वह अंदर नहीं जा सकता। वह 38 साल से वहाँ लेटा हुआ है, फिर भी वह अंदर नहीं जा सकता। यीशु कहते हैं, "उठो, अपनी चटाई उठाओ और घर जाओ।" बेशक, यीशु हमेशा किस दिन ऐसा

करते हैं। वह इस आदमी को ठीक करने जा रहे हैं, वह अपंग है, वह अपनी चटाई लेकर घर जा रहा है, हमेशा सब्त के दिन। फरीसी उसे पकड़ लेते हैं, "तुम सब्त के दिन अपनी चटाई क्यों उठा रहे हो।" "जिस आदमी ने मुझे ठीक किया उसने मुझे अपनी चटाई उठाने के लिए कहा था। इसलिए मैं वही कर रहा हूँ जो मुझे बताया गया है।" तो यह बेथेस्डा के तालाब पर अध्याय 5 है। मैं बस जेरूसलम में खो जाओ वर्चुअल जेरूसलम पर जा रहा हूँ और इसे ऑनलाइन के लिए विकसित करने की कोशिश कर रहा हूँ। जब आप बेथेस्डा के तालाब पर जाते हैं, तो यह बहुत दिलचस्प होता है। उन्होंने वास्तव में बेथेस्डा के तालाबों को खोज लिया है। वे जानते हैं कि वे कहाँ हैं। जॉन में लिखा है कि वहाँ पाँच ढके हुए कॉलोनेड थे। मुझे लगता है कि हमने पहले भी इसका उल्लेख किया है। इन पाँच ढके हुए कॉलोनेडों ने वास्तव में उन आधारों को पाया है जो इन कॉलोनेडों को थामे हुए थे जहाँ उस समय लोग रहते थे। इसलिए वे वास्तव में बेथेस्डा के तालाब पर इन ढके हुए

कॉलोनेडों के साथ जॉन द्वारा वर्णित तरीके से पुष्टि करने में सक्षम हैं। 5,000 लोगों को भोजन कराना। 5,000 लोगों को भोजन कराने के बारे में अच्छी बात यह है कि सभी चार सुसमाचारों में 5,000 लोगों को भोजन कराने का वर्णन है। जबकि यूहन्ना बहुत से अनोखे चमत्कारों के बारे में बताता है; 5,000 लोगों को भोजन कराना, सभी सुसमाचारों में इसका वर्णन है। तो यह इस तरह से दिलचस्प है। यीशु पानी पर चलते हैं, कुछ अन्य सुसमाचारों में भी ऐसा वर्णन है।

अध्याय 9 में अंधे व्यक्ति का वर्णन है। "इस व्यक्ति या इसके माता-पिता ने किसका पाप किया कि यह अंधा पैदा हुआ?" यीशु कहते हैं "नहीं, नहीं, यह व्यक्ति अंधा पैदा हुआ था, इसका उसके माता-पिता या उसके पाप से कोई लेना-देना नहीं था। यह परमेश्वर की महिमा के लिए किया गया है।" यीशु मिट्टी के बर्तन लेते हैं और उन्हें उस व्यक्ति की आँखों पर लगाते हैं और कहते हैं, "अरे, अंधे आदमी, सिलोम के तालाब पर जाओ।" वैसे, सिलोम का तालाब, वह मंदिर की चोटी पर है जब वह आँखों पर मिट्टी के बर्तन रखता है और उस व्यक्ति को दाऊद के शहर तक पैदल चलना पड़ता है। वहाँ तक पहुँचने में बहुत समय लगता है। इस अंधे व्यक्ति को सिलोम के तालाब तक जाना पड़ता है। वह नीचे जाता है और अपनी आँखों से मिट्टी धोता है, और वापस आता है और देख सकता है। फिर फरीसी और दूसरे लोग घबरा जाते हैं क्योंकि वह वापस आता है और देख सकता

है। अब वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस आदमी के साथ क्या हो रहा है जो जन्म से अंधा था और अब देख सकता है। क्या यीशु ऐसा कर रहे थे? तो इस मिट्टी के पाई-अंधे-आंख वाले आदमी के साथ एक बड़ा विवाद है। तो यह एक बड़ा विवाद है।

मैं चाहता हूँ कि आप इस कक्षा के लिए भी पीले रंग के लोगों को जानें। ये जॉन की पुस्तक के लिए अद्वितीय हैं जैसे पानी से शराब बनाना एक बड़ा चमत्कार है जो कि हर किसी को पता होना चाहिए। आँखों पर मिट्टी के लेप से यीशु की आँखें फिर से ठीक हो जाना, यह एक बड़ा चमत्कार है।

लाजर को चार दिन बाद मृतकों में से जीवित किया गया था। हम में से कई लोगों ने लाजर की इस कहानी पर कई उपदेश सुने हैं। आपको उसकी दो बहनें मरियम और मार्था मिलेंगी, "यीशु, यीशु, अगर तुम यहाँ होते।" वे कह रही हैं, "तुम चार दिन देरी से आए हो, यीशु। वह आदमी पहले ही मर चुका है। तुम पहले क्यों नहीं आए यीशु। यीशु तुम अपने अंतिम संस्कार के लिए देर से जा रहे हो, यीशु।" इसलिए वह लाजर के अंतिम संस्कार में देर से आता है। मार्था अधिक जुनूनी लगती है। मरियम अधिक समर्पित किस्म की व्यक्ति लगती है, बस वहाँ अलग-अलग व्यक्तित्व हैं। इसलिए आपको पत्थर हटाना होगा। "यीशु, हम पत्थर नहीं हटा सकते, वह चार दिन से वहाँ है। अब तक तो उसकी बदबू आ रही होगी।" वे मृत्यु के बहुत आदी थे। मृत्यु और मरना उनकी संस्कृति में बहुत था। हमारी संस्कृति में हम मृतकों को एक तरह से धो देते हैं और अंत्येष्टिकर्ता उनकी देखभाल करता है और ताबूत और हर चीज से अच्छी खुशबू आती है। वे मृत्यु से बहुत परिचित थे। इसलिए वे व्यक्ति को ले जाते और उसे कपड़े में लपेटते और उस पर मसाले डालकर उसमें रख देते। कुछ समय बाद वे पिघल जाते। मांस सड़ जाता और फिर केवल हड्डियाँ रह जातीं। वे हड्डियों को ले जाते और हड्डियों को हड्डियों के डिब्बे, अस्थि-पेटी में रख देते या बेंच के नीचे रख देते। उन्हें बेंच पर लिटा दिया जाता, हड्डियों को बेंच के नीचे रख दिया जाता। पुराने नियम के समय में वे इसे "अपने पूर्वजों के पास एकत्र होना" कहते थे। अपने पूर्वजों के पास एकत्र होने का मतलब है कि आप पिघल गए हैं, आपका मांस चला गया है और वे आपकी हड्डियों को ले गए और उन्हें आपके पूर्वजों के पास रख दिया जिन्हें बेंच के नीचे एक डिब्बे में रखा गया था। यीशु ऊपर आते हैं और कहते हैं, "लाजर, बाहर आओ" और अचानक लाजर लंगड़ाता हुआ बाहर आता है। लाजर का वहाँ से बाहर आना वाकई दिलचस्प है। लाजर का मृतकों में से जी उठना, यीशु के मृतकों में से जी

उठने की एक पूर्वसूचना के रूप में है। यह एक बड़ा चमत्कार है। आपको लाजर, मरियम और मार्था को जानना चाहिए।

अध्याय 21 में मछलियों की एक पकड़ में वे बहुत सारी मछलियाँ पकड़ते हैं। हमने पिछली बार कहा था कि जॉन के लेखक ने ठीक-ठीक कितनी मछलियाँ पकड़ीं, 153 मछलियाँ, यही निशान है, मुझे लगता है, एक मछुआरे का जो बड़ी पकड़ का दावा कर रहा है।

N. पानी से शराब: बाइबल में शराब [47:22-49:08]

एफ: संयुक्त एनयू; 47:22-75:28; बाइबल में शराब

अब मैं कैना में इस विवाह भोज पर चर्चा करना चाहता हूँ, यह एक चमत्कार है जहाँ यीशु पानी को शराब में बदल देता है। मैं इस पर चर्चा करना चाहता हूँ। वैसे, यह उन चर्चाओं में से एक है जहाँ प्रोफेसर से असहमत होना ठीक है लेकिन मैं आपको अपनी राय, बाइबल में शराब को देखने का मेरा तरीका बताने जा रहा हूँ। जब मैं बड़ा हो रहा था तब यह एक बड़ा विषय था और यह अभी भी हमारी संस्कृति में एक बड़ा विषय है। शराब पीने और शराब के मुद्दे पर बाइबल क्या सिखाती है। इसलिए मैं जॉन 2 में कैना के विवाह भोज में शराब पर चर्चा करना चाहता हूँ। उससे बाहर आकर हमने अभी उस बारे में बात की जहाँ यीशु की माँ ने पूछा और यीशु पानी को शराब में बदल देता है। वह इन लोगों को पीने के लिए कई, कई गैलन, सौ गैलन से भी ज़्यादा शराब बनाता है।

सबसे पहले, शराब पीना एक पाप है। शास्त्र बहुत स्पष्ट है। लेकिन इससे पहले कि मैं शराब पीना एक पाप कहूँ, मैं इस पर सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहता हूँ। यहाँ सभोपदेशक 9:7 है: “अपना भोजन आनन्द से खाओ और अपना दाखमधु आनन्द से पियो, क्योंकि अब परमेश्वर तुम्हारे कामों का पक्षधर है।” तो बाइबल वास्तव में शराब के विरुद्ध नहीं है। अब कुछ लोग सभोपदेशक की पुस्तक से छुटकारा पाने की कोशिश करते हैं। उन्हें सभोपदेशक पसंद नहीं है। यह मेरी पसंदीदा पुस्तकों में से एक है, इसमें बहुत सच्चाई है, लेकिन आपको चीजों को सुलझाना होगा। “अपना भोजन आनन्द से खाओ और अपना दाखमधु आनन्द से पियो, क्योंकि अब परमेश्वर तुम्हारे कामों का पक्षधर है।”

O. नशा करना पाप है [49:08-51:59]

लेकिन शास्त्र में यह उल्लेख है कि शराब पीना एक पाप है और 1 कुरिन्थियों 9 में वह विभिन्न पापों, झूठ बोलना, चोरी करना, जैसी चीज़ों को सूचीबद्ध कर रहा है, और वह शराब पीने को उन बुराइयों में से एक के रूप में सूचीबद्ध करता है। आपके पास गुण और बुराइयाँ हैं और इसलिए उन बुराइयों में से एक जिसके बारे में काफी हद तक बात की जाने वाली है, वह है नशे में होना। नशे में होना एक समस्या है। 1 कुरिन्थियों 5:11 कहता है, "शराबी लोगों की बुराइयों से अलग होना।" गलातियों 5:29 में आत्मा के फल और शरीर के फल हैं। शरीर के फलों में से एक शराब पीना है, इसलिए इसे शास्त्र में दी गई बुराइयों की सूची में सूचीबद्ध किया गया है। शराब पीना बुरा है, लेकिन नशे में होने पर भी आपको पूछना होगा, "वहाँ क्या स्थिति है?"

क्या किसी को जॉन वेन की पुरानी फ़िल्में याद हैं? पुराने दिनों में, जॉन वेन बाहर जाता है और कोई भारतीय तीर उसके पैर में लग जाता है और वह अपने हाथ से तीर को बाहर निकालने वाला होता है और वह अपने पैर में फंसे इस तीर को बाहर निकालने वाला होता है। अपने पैर से तीर को बाहर निकालने से पहले वह क्या करता है? खैर, वह थोड़ी व्हिस्की पीता है। अब वह व्हिस्की क्यों पीता है? आपको एहसास हुआ, मेरे बेटे ने मुझे अभी बताया कि ज़्यादातर लोग गोली लगने पर क्यों मरते हैं? यह ज़रूरी नहीं कि गोली लगने की वजह से ही हो, बल्कि यह सदमे की वजह से ज़्यादा होता है। सदमे की वजह से और शरीर को पता नहीं होता कि कैसे प्रतिक्रिया करनी है और शरीर सदमे में चला जाता है और व्यक्ति सदमे से मर जाता है, न कि वास्तविक घाव से। तो जॉन वेन व्हिस्की की एक गोली पीता है, वह क्या करने की कोशिश कर रहा है? वह दर्द को खत्म करने की कोशिश कर रहा है। तो कुछ स्थितियों में, उनके पास हमारे जैसे एनेस्थीसिया नहीं था। आप जानते हैं कि एक व्यक्ति अपेंडिक्स के लिए जाता है और आप कहते हैं, "मुझे कोई एनेस्थीसिया नहीं चाहिए। मैं इसे वैसे ही लेना चाहता हूँ।" वे आपका अपेंडिक्स काटने जा रहे हैं और आप इसके लिए जागते रहना चाहते हैं? लेकिन पुराने दिनों में, उनके पास ऐसा नहीं था, इसलिए वे दर्द को कम करने के लिए शराब पीते थे और फिर जॉन वेन की तरह तीर को बाहर निकाल लेते थे। सावधान रहें। उस तरह के संदर्भ में, नशे में होना भी प्राचीन दिनों में एक व्यक्ति को सदमे में जाने से रोकने का काम करता था। लेकिन नशे में होना, अब आपको एहसास हुआ है - यह

एक बहुत ही दुर्लभ चीज है। हर फिल्म में जॉन वेन को गोली लगती है, लेकिन वास्तविक जीवन में ज्यादातर लोगों को हर दिन गोली नहीं लगती है, इसलिए यह बहुत ही दुर्लभ है कि कोई व्यक्ति इससे गुज़रे। वैसे भी, नशे में होना एक पाप है और बाइबल इस बारे में बिल्कुल स्पष्ट है। अब आइए कुछ अन्य चीजों पर नज़र डालें।

P. पवित्रशास्त्र में शराब पीने के परिणाम: नीतिवचन 31 और 23 [51:59-55:31]

शराब पीने के परिणामों का वर्णन धर्मग्रंथों में किया गया है। धर्मग्रंथ इसे आपकी कल्पना पर नहीं छोड़ते, यह चीजों का वर्णन करता है। नीतिवचन 31, जब मैं आपको नीतिवचन 31 कहता हूँ, तो आपके दिमाग में क्या आता है? गुणी महिला, या "वीडब्ल्यू" लेकिन फिर भी एक माँ अपने बेटे को सिखाने जा रही है और वह यही कहती है, "यह तुम्हारे लिए नहीं है, लेमुएल, राजाओं को शराब पीने के लिए नहीं, न ही शासकों को बीयर की लालसा करनी चाहिए।" दूसरे शब्दों में, यदि आप एक नेता हैं, तो शराब और बीयर से दूर रहें। यह माँ की सलाह है, आप इस बात में माँ की प्रतिध्वनि सुन सकते हैं। "यह राजाओं के लिए नहीं है, लेमुएल, राजाओं को शराब पीने के लिए नहीं, न ही शासकों को बीयर की लालसा करनी चाहिए, ऐसा न हो कि वे पीएं और भूल जाएं कि कानून क्या तय करता है

मैं ऐसे माहौल में पला-बढ़ा हूँ जहाँ मैं बास्केटबॉल और फुटबॉल खेलता था और बास्केटबॉल खेलों के बाद बहुत सारे खेल खेलता था। लड़के उस समय बाहर जाकर शराब पीते थे और वे लोग बाहर जाकर जानबूझकर किसी लड़की को नशे में धुत करने की कोशिश करते थे। अब वे लड़की को नशे में क्यों डालते? वे जानबूझकर किसी लड़की को नशे में धुत करने की कोशिश करते थे क्योंकि जो होता था, वह यह कि वह भूल जाती थी कि कानून क्या कहता है और अगर वे उसे नशे में धुत कर देते तो उसका नैतिक चरित्र गिर जाता। यही वह हाई स्कूल में हुआ जहाँ मैं बड़ा हुआ, हालाँकि आज हम दूसरे पदार्थों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन मेरे दिनों में हम यही करते थे। इसलिए यह माँ राजाओं को चेतावनी दे रही है, "इससे दूर रहो। अगर आप एक नेता हैं और आप नशे में धुत हो जाते हैं और भूल जाते हैं कि कानून क्या कहता है, तो आप किसी को चोट पहुँचाने जा रहे हैं।"

यहाँ एक और है, और यह वास्तव में हास्यप्रद है। नीतिवचन 23:31-35 में, "जब शराब लाल होती है, जब यह प्याले में चमकती है, जब यह आसानी से नीचे जाती है, तो इसे मत देखो," अब आप कहते हैं कि यार, यह बडवाइज़र या कुछ और का विज्ञापन है। "जब शराब लाल होती है, जब यह प्याले में चमकती है, जब यह आसानी से नीचे जाती है, तो इसे मत देखो। अंत में यह साँप की तरह डसता है, यह वाइपर की तरह ज़हर देता है। आपकी आँखें अजीब नज़ारे देखेंगी और आपका दिमाग भ्रामक चीज़ों की कल्पना करेगा। आप खुले समुद्र में रस्सियों पर लेटे हुए सोए हुए व्यक्ति की तरह होंगे," आप खुले समुद्र में रस्सियों और मस्तूल के साथ इस नाव को आगे-पीछे होते हुए देखते हैं और आप खुले समुद्र में रस्सियों पर लेटे हुए व्यक्ति की तरह होंगे। "उन्होंने मुझे मारा," आप कहेंगे, 'लेकिन मुझे चोट नहीं लगी है। उन्होंने मुझे पीटा लेकिन मुझे इसका अहसास नहीं हुआ। मैं कब जाग सकता हूँ ताकि मैं एक और ड्रिंक पी सकूँ?" एक मेमना लें, उसे थोड़ी शराब दें और अचानक वह शेर में बदल जाता है। "अरे मैं अब एक सख्त आदमी हूँ। तुम मुझे मार सकते हो लेकिन मुझे इसका अहसास नहीं होगा। मैं इसे बर्दाश्त कर सकता हूँ" क्योंकि एक व्यक्ति नशे में है और इसलिए शराब पीने और बड़ा और साहसी बनने की यह बात और मुझे लगता है कि हम सभी ने ऐसे लोगों को देखा है और ऐसे दोस्त रहे हैं, वे लड़ाई करते हैं। वे आम तौर पर लड़ाई नहीं करते लेकिन आप उन्हें कुछ बियर देते हैं और अचानक वह आदमी अब बड़ा साहसी व्यक्ति बन जाता है।

प्रश्न: शराब पीने के पक्ष और विपक्ष तथा तीन प्रकार की शराब [55:31-59:27]

नीतिवचन 23:20 से एक और उद्धरण है: "उन लोगों के साथ मत जुड़ो जो बहुत ज़्यादा शराब पीते हैं और मांस खाते हैं, क्योंकि शराबी और पेटू लोग गरीब हो जाते हैं।" शराबी और पेटू लोग गरीब हो जाते हैं और हम सभी ने ऐसे लोगों को देखा है जो शराब पीते हैं और देखा है कि यह उनके जीवन में किस तरह से गरीबी का कारण बना है। वे इस नीचे की ओर जाने वाले चक्र में फंस जाते हैं क्योंकि वे नशे में होते हैं। यह कहता है, "शराबी और पेटू लोग गरीब हो जाते हैं और तंद्रा उन्हें चिथड़े पहना देती है।" तो यह चेतावनी है, कह रही है कि बहुत ज़्यादा शराब पीने और किसी की गरीबी के बीच एक संबंध है और यह कह रही है कि इस चीज़ से सावधान रहें।

नीतिवचन में वास्तव में इस पर कुछ खंड हैं, लेकिन उन दिनों शराब का उपयोग दवा के रूप में किया जाता था। इसलिए पॉल, 1 तीमुथियुस 5:23 और उसके बाद, पॉल तीमुथियुस से कहता है, "पानी पीना बंद करो। अपने पेट के लिए थोड़ी शराब पियो।" खैर, जाहिर है तीमुथियुस-- और अगर आपने कभी मध्य पूर्व की यात्रा की है, तो आप पानी पीने के बारे में जानते होंगे। अगर आप उस संस्कृति में पानी पीते हैं, तो आप बड़ी मुसीबत में हैं। उनके पानी में बैक्टीरिया होते हैं जो आपको 2, 3, या 4 दिनों तक दस्त देंगे क्योंकि पानी अच्छा नहीं है। पानी में बैक्टीरिया होते हैं। ऐसा करने का एकमात्र तरीका है, और मैं यात्रा करने वाले किसी भी व्यक्ति से कहता हूँ, क्या आप पानी पीने जा रहे हैं? बेहतर होगा कि आपके पास इमोडियम एडी की अच्छी आपूर्ति हो, क्योंकि अगर आप पानी पीते हैं तो आप बीमार हो सकते हैं। यही कारण है कि आज बहुत से लोग वहाँ पानी की बोतल भरते हैं। लेकिन पॉल तीमुथियुस से कहता है "अपने पेट के लिए थोड़ी शराब पियो।" क्या शराब बैक्टीरिया को मारती है? हाँ। तो आप अपने पेट के लिए थोड़ी शराब पीजिए और आपको इस तरह की समस्या नहीं होगी।

इसका इस्तेमाल दर्द निवारक के रूप में किया जाता था। क्या आपको लूका 10:34 और उसके बाद गुड सेमेरिटन याद है। गुड सेमेरिटन उस व्यक्ति को ले जाता है जो बुरी तरह से पीटा हुआ है और वह क्या करता है? वह घावों पर शराब डालकर बैक्टीरिया और विभिन्न चीजों से निपटने में मदद करता है। घाव पर शराब का इस्तेमाल किया जाता है। यह लूका 10 में है। इसलिए इसका इस्तेमाल उपचार प्रक्रिया के लिए दवा के रूप में किया जाता है और इसमें सहायता करता है।

धर्मशास्त्र में, अब तीन प्रकार की शराब हैं और यह पुराने नियम पर वापस जा रहा है, लेकिन *शेकर* है, जिसका अक्सर अनुवाद "मजबूत पेय" किया जाता है, *यायिन*, जो कि नियमित शराब है, और *तिरोश* है। *तिरोश* को "नई शराब" कहा जाता है और इसलिए ये तीन शब्द, *शेकर*, *यायिन* और *तिरोश* मजबूत शराब, नियमित शराब और नई शराब के लिए पुराने नियम में निर्धारित की गई बहुत सी चीजें हैं। मुझे कहना चाहिए, जब मैं इसे देख रहा हूँ ... मजबूत पेय में स्पष्ट रूप से आपको नशे में डालने की शक्ति है। शराब, कोई समस्या नहीं। वैसे, मुझे कहना चाहिए। क्या आपको याद है कि मलिकिसिदक अब्राहम के पास आया था और उन्होंने शराब का उपयोग करके

एक साथ भोजन किया था? तो यहाँ आपके पास पुराने नियम में अब्राहम के साथ एक मसीह के रूप में मलिकिसिदक है, जो पुराने नियम में सामुदायिक भोजन में शराब पी रहा है यहां तक कि मैडम विजडम, जो नीतिवचन 9:2 में वाकई दिलचस्प है, मैडम फॉली नहीं। नीतिवचन में मैडम फॉली की तुलना मैडम विजडम से की गई है, लेकिन मैडम विजडम उस युवक के लिए शराब तैयार करती है। इसलिए, मैडम विजडम भी इसे तैयार करती है।

वैसे, यह प्राचीन दुनिया में भी एक समस्या थी। उत्पत्ति 19 में लूत की बेटियाँ हैं, जो उसे शराब पिलाती हैं और फिर अपने पिता से गर्भवती हो जाती हैं, लेकिन वे पहले उसे शराब पिलाती हैं। आप इसी तरह की बात देख सकते हैं, वे उसे शराब पिलाती हैं और उसे पता नहीं होता कि वह क्या कर रहा है।

आर. वे बातें जो बाइबल नहीं सिखाती: प्रभु-भोज और संयम [59:27-64:07]

अब यहाँ कुछ ऐसी बातें हैं जो बाइबल शराब के बारे में नहीं सिखाती। सबसे पहले, भोज असली शराब नहीं था। जब मैं बड़ा हुआ तो उन्होंने कहा, "नहीं, नहीं, यीशु भोज में अंगूर का रस था। यह नई शराब थी।" मुझे यह भी उल्लेख करना चाहिए, नई शराब में, यह दिलचस्प है, वह नई शराब, अधिनियम 2 में पिन्तेकुस्त के पर्व के साथ याद रखें और आत्मा पीटर पर उतर रही है और पीटर अन्य भाषाओं में बोल रहा है और ये सभी लोग पिन्तेकुस्त के दिन वहाँ थे। लोगों ने पीटर पर ग्लूकोज या नई शराब के नशे में होने का आरोप लगाया। इसलिए, अधिनियम 2 में नई शराब भी किसी को नशे में डालने की क्षमता रखती है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है। जब आपके पास अंगूर का रस होता है और आप इसे निकालते हैं और इसे कुचलते हैं और इसका रस बनाते हैं, तो यह अंगूर का रस कितनी देर तक रहता है यदि आपके पास कोई प्रशीतन नहीं है? ठीक है, आप कहते हैं, "बस अपना रेफ्रिजरेटर चालू करें!" हाँ सही है। दो हज़ार साल पहले इन लोगों के पास हमारे जैसे प्रशीतन नहीं थे। वे कुछ चीजें बर्फ से करते थे, कुछ चीजें भूमिगत, लेकिन फिर भी हमारे पास रेफ्रिजरेशन जैसा नहीं था। इसलिए अंगूर का रस बहुत जल्दी नई शराब में बदल जाता था। हम 2, 3, या 4 दिनों की बात कर रहे हैं और यह सामान वास्तव में बदल जाएगा। इसलिए नई शराब का मतलब यह नहीं है कि इसमें कोई अल्कोहल नहीं है। अधिनियम 2 में नई शराब में भी किसी को

नशे में डालने की क्षमता थी।

भोज। यीशु ने कहा, "यह प्याला लो" और इस प्याले में शराब थी और इसका वर्णन शास्त्रों में किया गया है। भोज के प्याले में शराब का इस्तेमाल किया जा रहा था। आप में से कई लोग चर्च जाते हैं, अगर आप एंग्लिकन चर्च जाते हैं, तो आपके पास एक ही प्याला होता है। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह यरूशलेम में सेंट एंड्रयूज चर्च था, जो वहां एक स्कॉटिश प्रेस्बिटेरियन चर्च था। उस चर्च में जब वे कप को पास करते थे, तो यह पूरे चर्च के लिए एक कप होता था, इसलिए हर कोई एक कप से ले रहा था। मुझे चिंता थी कि मैं किसी और से बीमार हो जाऊंगा, लेकिन जाहिर तौर पर शराब उस संबंध में सहायक है, बैक्टीरिया को कम रखती है, लेकिन एक कप है जिसे हर जगह भेजा जाता है। कई चर्च अपने भोज में शराब परोसते हैं, हालांकि मैंने भोज सेवाओं में सेब का रस परोसा है। लेकिन कुछ लोग यीशु से चली आ रही परंपरा का पालन करते हैं, कप में शराब का उपयोग करते हैं। वैसे, प्याले में रखी शराब वास्तव में फसह सेवा से जुड़ी है और यहूदी 3000 से ज्यादा सालों से फसह सेवा करते आ रहे हैं और यहूदी अपने प्याले में शराब परोसते हैं। यीशु फसह का भोजन कर रहे थे, इसलिए प्याले में शराब थी और *मट्ज़ो*, अखमीरी रोटी, जो फसह सेवा से है। यीशु अपने शिष्यों के साथ ऐसा कर रहे थे। अगर आप आज भी किसी यहूदी आराधनालय में जाएँ, तो आपको प्याले में शराब मिलेगी।

इसलिए बाइबल कहीं भी संयम की शिक्षा नहीं देती है। केवल वे लोग जो संयम रखते थे, वे थे, किसी ने कक्षा में इस बारे में बताया था, नाज़ीर, अगर आपको संख्या 6 याद है। लोग, जैसे कि सैमसन जो जन्म से ही नाज़ीर था, और उसे अंगूर से बना कोई भी उत्पाद नहीं खाना चाहिए था, जिसमें किशमिश और अंगूर शामिल थे, न कि केवल शराब। सैमुअल एक और नाज़ीर था। हम नए नियम में जाते हैं और प्रेरित पौलुस नाज़ीर की शपथ लेता है और नाज़ीर की शपथ को पूरा करने के लिए अपने बाल काटने और उन्हें वेदी पर जलाने के लिए यरूशलेम जाता है। लोग नाज़ीर की शपथ ले सकते हैं या वे जन्म से नाज़ीर हो सकते हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि जॉन बैपटिस्ट जन्म से ही नाज़ीर था और उसने अंगूर के उत्पाद नहीं खाए या शवों को नहीं छुआ और अपने बालों को बढ़ने नहीं दिया। अन्य समय में, आप कुछ वर्षों के लिए नाज़ीर की शपथ ले सकते थे और फिर अपनी नाज़ीर की शपथ पूरी कर सकते थे और यह ऐसा कुछ नहीं था जो आपने अपने पूरे जीवन के लिए

किया हो। लेकिन वैसे भी, बाइबल में, नाज़ीर की शपथ जो पुराने नियम में बहुत कम लोगों के लिए एक विशेष शपथ थी। वैसे, यीशु नाज़री नहीं थे। यीशु शराब पीते थे और अगर वह अंगूर का रस भी हो, तो भी नाज़ीर अंगूर से *कुछ भी नहीं पी सकते थे*। यीशु नाज़रीन थे, जिसका मतलब है कि वह नाज़रेथ शहर से थे। आपको उन्हें अलग करना होगा।

एस. डॉ. हिल्डेब्रांट शराब क्यों नहीं पीते [64:07-67:07]

बाइबल कहीं भी संयम की शिक्षा नहीं देती। तो आप कहते हैं, "ठीक है, हिल्डेब्रांट, आप शराब के बारे में ये सभी सकारात्मक बातें सिखा रहे हैं, चलो दूसरी तरफ चलते हैं।" मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति में बड़ी समस्याएं हैं। मेरे पास यहाँ आँकड़े हैं, जो अब पुराने हो चुके हैं, कि अमेरिका में, शराब और शराब से जुड़ी घटनाओं, दुर्घटनाओं और बीमारियों के कारण हर साल 200,000 से ज़्यादा लोग मरते हैं। 200,000। मरने वाले लोगों की संख्या बहुत ज़्यादा है। दो साल में मरने वालों की संख्या वियतनाम युद्ध में मरने वालों से ज़्यादा है। अब बहुत ज़्यादा लागत है और आप सोचिए कि इनमें से कितने लोग नाव पर थे और पार्टी कर रहे थे, यह रोड आइलैंड में हुआ था, और नाव डूब गई और पलट गई और नशे में धुत ये तीन लोग डूब गए, इसलिए हमने ऐसा होते देखा है। मेरा एक अच्छा दोस्त था, उसका नाम एरिक था। मैंने एरिक को पढ़ाया, उसके बाल लाल थे और वह एक जोशीला युवक था, एक होनहार व्यक्ति और वास्तव में बहुत बढ़िया बच्चा था। मैं वास्तव में उसके साथ जुड़ गया, बस इस बच्चे से प्यार करता था और वह फिलाडेल्फिया क्षेत्र में अपने घर वापस चला गया। वह बाहर गया था, एक ईसाई संगीत कार्यक्रम या कुछ और से वापस आ रहा था, और सुबह के दो या तीन बजे थे और एक शराबी स्टॉप साइन को पार कर गया, यह ग्रामीण पेंसिल्वेनिया में हुआ, एरिक को टी-बोन से मारा और तुरंत उसे मार डाला [Cf. मोनिका डेमेलो, 2013]। इन सभी दुर्घटनाओं में, क्या होता है? शराबी भाग जाता है, लेकिन मेरा दोस्त एरिक आज जमीन पर है, मर चुका है क्योंकि शराबी ने उसे मारा और उसे मार डाला। यह मुझे गुस्सा दिलाता है। एरिक के सामने उसका पूरा जीवन था। वह प्री-मेड करने जा रहा था और उसके पास ऐसा करने के लिए दिमाग था, वह इसके लिए पूरी तरह से तैयार था और उसे एक शराबी ने मार डाला। मैं करेन नाम की एक महिला से सलाह लेता था और उसका पति शराबी था और वह घर

आता था, एक दो बाई चार की बोतल लेता था और जब वह नशे में होता था तो उसे घर की दीवार में डाल देता था। और वह अगली सुबह उठकर अपने लड़कों को पीटना शुरू कर देता था क्योंकि उसे लगता था कि उन्होंने दीवार में दो-चार को घुसा दिया है, लेकिन यह वही था जिसने शराब के नशे में दो-चार को दीवार में घुसा दिया था और उसे याद नहीं था कि उसने ऐसा किया था, इसलिए उसे लगा कि यह उसके बेटों ने किया है। क्या आपने देखा है कि शराब की लत परिवार में क्या नुकसान पहुंचाती है और इससे परिवार पर क्या असर पड़ता है? आपको एक ऐसा पिता मिलता है जो हर समय शराब पीता रहता है और यह पत्नी और लड़कों के लिए अपमानजनक स्थिति है। क्या आप जानते हैं कि वास्तव में क्या बुरा है? यह मेरे लिए भी बहुत दिलचस्प है कि करें, उसका पति शराबी था और हर समय शराब पीता था और बहुत ज़्यादा पीता था और उसने उन दो लड़कों को बहुत नुकसान पहुँचाया। आप सोचेंगे कि जब वे दोनों लड़के बड़े होंगे तो वे अपने पिता को देखेंगे और उसके रास्ते से हट जाएँगे। आप जानते हैं कि जब वे लड़के 17 या 18 साल के हुए तो क्या हुआ, आप जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं? वे भी शराब पी रहे हैं, बिल्कुल अपने पिता की तरह। तो यह पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और यह वास्तव में दुखद है।

टी. शराब की बुराई [67:07-71:02]

यह अनुमान है, और यह आंकड़ा 1970 के दशक का है, शराब के दुरुपयोग से अमेरिकी लोगों को 50 मिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अब यह 1975 है, आप कल्पना कर सकते हैं कि यह अब कितना बड़ा होगा। यातायात दुर्घटनाओं में से आधे लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण होते हैं। डकैती में शराब की कितनी मात्रा शामिल है? हमारे देश में होने वाले बलात्कारों में शराब की कितनी मात्रा शामिल है? हमला? हत्या? उनमें से कितने शराब से जुड़े हैं? आत्महत्याओं में से एक तिहाई शराब की लत से जुड़ी हैं। तो यह एक बड़ी बात है। नतीजतन, मैंने अब एक व्यक्तिगत रुख अपनाया है और यह काम नहीं किया है, मैं बस इसका वर्णन करूँगा, इसके पक्ष और विपक्ष हैं। मुझे एहसास हुआ है कि अब इनमें से बहुत से पक्ष और विपक्ष हैं। मेरे घर में, मैं शराब नहीं पीता। मैं एक चाय पीने वाला व्यक्ति हूँ, गॉर्डन कॉलेज मुझे कॉलेज परिसर से बाहर जाने देता। मैं भोजन के साथ शराब पी सकता हूँ, जिस कॉलेज में मैं पढ़ाता हूँ, वहाँ से कोई समस्या नहीं

है। हालाँकि, मैंने खुद शराब से पूरी तरह परहेज़ किया है। मेरे घर में शराब नहीं है। मुझे शराब की लत से नफरत है और मुझे इस बात से भी नफरत है कि इसने मेरे जानने वालों के साथ क्या किया है, जैसा कि मैंने कहा कि मेरा अच्छा दोस्त एरिक मर चुका है। कैरन के पति ने हर तरह के बुरे काम किए हैं और मैंने भी ऐसा बहुत देखा है। मेरे जीजा डेविड, जो हमारे दोस्त हैं, कुछ दशक पहले, फिर से, बहुत ज़्यादा शराब पी रहे थे और अपना 30,000 डॉलर का ट्रक लेकर किसी के सामने बाएं मुड़ गए, जिससे ट्रक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने मूल रूप से सब कुछ खो दिया है, सरकार उनके पीछे लगी हुई थी। वह हमारे घर आने लगे और हमने उन्हें लगभग छह महीने तक अपने साथ रखा, जब तक कि वह अपने पैरों पर खड़े नहीं हो गए। हमने वह सब कुछ उठाया जो उस आदमी ने हमारी वैन के पीछे रखा था। वह एक कुशल बढ़ई थे और उन्होंने मेरे जीवनकाल में जितना पैसा कमाया है, उससे कहीं ज़्यादा कमाया है और फिर भी वह शराब पीने और पार्टी करने में लग गए और इसने वास्तव में उनके जीवन और उनकी संभावनाओं को बहुत बर्बाद कर दिया।

इसलिए मुझे शराब की लत से नफरत है। मैंने अक्सर लोगों से कहा है कि अगर शराब की लत एक व्यक्ति होती और मेरी कक्षा में आती और मेरे पास अपने नंगे हाथों से उसे मारने और नष्ट करने की क्षमता होती, तो मैं गॉर्डन कॉलेज में 100 छात्रों के सामने ऐसा करता और मुझे इसकी परवाह नहीं होती। मुझे नौकरी से निकाल दिया जाएगा और स्कूल से बाहर निकाल दिया जाएगा, लेकिन यह ठीक है। अगर मैं दुनिया को शराब की लत और इससे होने वाले नुकसान से बचा सकता हूँ... तो मैं इससे और इससे होने वाले नुकसान से नफरत करता हूँ। इसलिए मैं संयम पर एक व्यक्तिगत रुख अपनाता हूँ।

क्या बाइबल यह सिखाती है? नहीं, यह ऐसा नहीं सिखाती। एरिक और अन्य लोगों की वजह से मैंने अपनी प्रतिक्रिया दी है और शायद यह मेरी ओर से अति प्रतिक्रिया है। मेरे लिए यह एक तरह से विडंबना है कि मेरे सभी बच्चे शराब पीते हैं, इसलिए यह अजीब है कि मैं शराब से दूर रहने की नीति अपनाता हूँ और आप कहते हैं, "ठीक है, आपने उन्हें इसके लिए तैयार किया है क्योंकि आपने इतना सख्त रुख अपनाया है कि वे शराब पीने चले जाते हैं।" यह संभवतः सच है, लेकिन मुझे पता है कि मुझे अपने बच्चों के साथ ही नहीं, बल्कि खुद के साथ भी सच्चा होना चाहिए।

और मैं भी संवेदनशील होना चाहता हूँ। मेरा एक दोस्त नाइल्स है, जो मेरा एक अच्छा दोस्त है, और वह अब शायद 68 साल का है और अपने बच्चों के बारे में सोचता है, उसने कहा कि उसकी बेटी अपने चाचा के घर गई थी, और चाचा ने अपनी बेटी को कुछ शराब दी और यह लड़की शराबी थी और जैसे ही उसने इसे चखा, वह इसकी आदी हो गई। शराब की लत के कारण उसके जीवन के लगभग बीस साल बर्बाद हो गए। मुझे लगता है कि अब वह इससे उबर चुकी है, लेकिन ऐसा लगता है कि उसके जीवन के बीस साल शादी के बाद शादी में बर्बाद हो गए। मैं बस यह सुझाव दे रहा हूँ कि मुझे इससे वाकई नफरत है।

यू. एक नरम संयम, ईसाई स्वतंत्रता, और कमजोर भाई [71:02-75:28]

मुझे लगता है कि मैं शराब से दूर रहने का नरम रुख अपनाऊंगा। दूसरे शब्दों में, जब मैं इज़राइल में था, उदाहरण के लिए, हमारे कुछ अच्छे दोस्त थे, पेरी, ऐलेन, हमने 45 डॉलर प्रति महीने के हिसाब से एक अपार्टमेंट किराए पर लिया। यह वास्तव में सस्ता था और उन्हें पता था कि मैं शराब नहीं पीता और हम इस महिला के घर गए, ओरा के घर, वह सिनाई पर दुनिया की अग्रणी विशेषज्ञों में से एक हैं। इसलिए हम तीन सप्ताह के लिए सिनाई जा रहे हैं और रेगिस्तान में तीन सप्ताह तक घूमेंगे। यह एक अविश्वसनीय अनुभव था, लेकिन हम ओरा के घर गए और सबसे पहले, हम यरूशलेम में थे, एक विदेशी देश में, और यरूशलेम में वे अपने भोजन के साथ शराब पीते हैं। इसलिए ओरा बाहर आती है और सभी के लिए शराब का गिलास भर देती है। शराब न लेना उसका अपमान होता। लेकिन मैं कहता हूँ, "अरे, मैं शराब पी लूँगा" और व्यक्तिगत रूप से, मैं आमतौर पर नहीं पीता लेकिन मैं उसे अपमानित नहीं करना चाहता इसलिए मैं शराब पी लूँगा। उसके बाद मैंने ऐसा दिखावा किया जैसे मैं नशे में हूँ और जब हम ओरा के अपार्टमेंट से बाहर निकले तो मैं बाहर गया और अजीब तरीके से चलने लगा और चीजों से टकराने लगा और ऐसा दिखावा करने लगा कि मैं नशे में हूँ और उन्होंने बस मुझे देखा और उन्होंने मेरे साथ सामान्य व्यवहार किया, भले ही मैं नशे में होने का अभिनय कर रहा था। तो फिर मुझे एहसास हुआ, "ओह, ठीक है" तो फिर मैंने फिर से सामान्य अभिनय करना शुरू कर दिया, जो कि काफी हद तक ठीक है। मुझे याद है कि साल के अंत में जब हम जा रहे थे और पेरी और ऐलेन रह रहे थे और हम साल के बारे में सोच रहे थे तो

उन्होंने कहा, "ओह, हमें याद है जब तुम नशे में थे" तो मैंने उन्हें दिखावा *किया* और यह काफी मज़ेदार था।

वैसे भी, इसमें कुछ अन्य कारक भी शामिल हैं। 1 कुरिन्थियों 6:12 कहता है, "सब कुछ मेरे लिए उचित है, परन्तु सब कुछ लाभप्रद नहीं है।" मुझे लगता है कि मेरा काम जीवन में अच्छी चीजों को खोजना और अच्छी चीजों के पीछे जाना है। मैं लोगों को हमेशा सीमाओं पर खेलने की कोशिश करते हुए देखता हूँ, यह देखने के लिए कि वे कितनी दूर तक सीमाओं से आगे जा सकते हैं। मेरा काम यह है कि मैं जीवन को बर्बाद नहीं करना चाहता। जीवन बहुत छोटा है। मैं जीवन को बुरी चीजों पर बर्बाद नहीं करना चाहता। मैं जीवन को अच्छी चीजों, सबसे अच्छी चीजों पर बिताना चाहता हूँ। अच्छी चीजें क्या हैं? अच्छी चीजें हैं अपनी पत्नी से बात करने में समय बिताना, अपने परिवार के साथ फिल्में देखना, बाहर जाना और अपने परिवार और दोस्तों के साथ कुछ करना और ऐसी ही चीजें। तो इसके बारे में सोचो।

मुझे लगता है कि कमज़ोर भाई वाला तर्क भी मज़बूत है। अगर कोई आपको शराब पीते हुए देखता है, तो वे इसे बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं और कह सकते हैं कि "फ़लों आदमी शराब पी सकता है, इसलिए मैं भी पी सकता हूँ।" अब, मुझे पता है कि यह एक मूर्खतापूर्ण तर्क है, लेकिन कुछ लोग ऐसा कर सकते हैं और मैं नहीं चाहता कि कोई भी मुझ पर उंगली उठाए और कहे कि "तुम ही हो जिसने मुझे शराब पीने के लिए उकसाया। मैंने देखा कि तुमने क्या किया और इसलिए जाकर किया।" अपने कमज़ोर भाई के बारे में सावधान रहो, जो रोमियों 14 से आता है। दूसरे लोग कहते हैं कि अगर तुम्हें किसी चीज़ पर संदेह है, तो उसे मत करो और दूसरा बड़ा सवाल है, "मनुष्य का मुख्य उद्देश्य क्या है?" मैं आपसे वेस्टमिंस्टर कैटेचिज़्म के बारे में पूछता हूँ: "मनुष्य का मुख्य उद्देश्य क्या है? परमेश्वर की महिमा करना और हमेशा उसका आनंद लेना।" तो मुझे पूछना होगा, क्या यह गतिविधि जो मैं यहाँ सुझा रहा हूँ, परमेश्वर की महिमा करती है और मुझे हमेशा उसका आनंद लेने में मदद करती है? लेकिन फिर, आपको पूछना होगा। आप एक विदेशी देश में हैं और लोगों को नाराज़ नहीं करना चाहते। इसलिए मैं कोनों के आसपास नरम संयम का रुख अपनाता हूँ। मेरी बेटी की शादी में उसके पास शैंपेन थी जिसे मैं ले गया, हालांकि मुझे शैंपेन से नफरत है।

तो ये पानी से शराब जैसी चीज़ पर कुछ विचार हैं। आगे के विचार 1 कुरिन्थियों 6:12 और रोमियों 14 में कमज़ोर भाई के तर्क पर। ईसाई स्वतंत्रता में, मैं इसे करने के लिए स्वतंत्र हूँ। सवाल यह है कि क्या यह अच्छा है, क्या यह सबसे अच्छा है, क्या यह शिक्षाप्रद होगा, क्या यह अन्य लोगों के लिए फायदेमंद होगा? प्रेम क्या मांगता है? तो ये चीज़ें होंगी - इसलिए मैं इसे नरम संयम कहता हूँ और मैं अपने दोस्त एरिक और अन्य लोगों के सम्मान में संयम करता हूँ जिन्हें मैं जानता हूँ कि उन्होंने इससे संघर्ष किया है।

V. जॉन ने क्यों लिखा [75:28-79:11]

जी: संयुक्त वी-एए; 75:28-99:03; यूहन्ना में मसीह का ईश्वरत्व

अब, हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यूहन्ना ने क्यों लिखा। जब हम कहते हैं कि यूहन्ना ने विश्वास के कारण लिखा: "मैंने ये बातें इसलिए लिखी हैं ताकि तुम विश्वास करो कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ।" इसलिए वह लिखता है। यूहन्ना ने जो लिखा है, उनमें से एक पहलू यह है कि यीशु परमेश्वर है। कई लोगों जैसे कि इरेनियस और अन्य ने इसे सेरिंथस की गलतियों से जोड़ा है। जाहिर है कि शुरुआती चर्च में एक व्यक्ति था जिसके बारे में कुछ लोग कहते हैं कि यूहन्ना की किताब सेरिंथस की गलतियों का खंडन करने के लिए लिखी गई है। सेरिंथस की कुछ गलतियाँ यह हैं कि यीशु एक मनुष्य था जिस पर परमेश्वर उतरा था। इसलिए यीशु मसीह सिर्फ़ एक साधारण मनुष्य था, परमेश्वर की आत्मा उस पर आती है, वह चमत्कार करता है, वह क्रूस पर मर जाता है और फिर आत्मा यीशु पर चली जाती है। वह परमेश्वर नहीं है। वह एक मनुष्य है जिस पर परमेश्वर की आत्मा आती है और जब वह जी उठा, तो वह सिर्फ़ आध्यात्मिक रूप से जी उठा और जब वह मर गया, तो आत्मा उससे दूर चली गई। इसलिए परमेश्वर की आत्मा यीशु *पर आती है*, जो एक सामान्य व्यक्ति है और फिर आत्मा उस पर आती है और वह अपना काम करता है, वह मर जाता है, आत्मा उसे छोड़ देती है। यीशु मृतकों में से शारीरिक रूप से नहीं जी उठते, वे आध्यात्मिक रूप से जी उठते हैं। इसलिए ये सेरिंथस की गलतियाँ हैं, कि यीशु मसीह थे, परमेश्वर नहीं थे, बल्कि वे मनुष्य थे जिनमें आत्मा थी।

अब, आधुनिक समय में एक और समूह भी है, जो कहता है कि यीशु मसीह ईश्वर नहीं है।

वह ईश्वर है , वह ईश्वर नहीं है , और ये यहोवा के साक्षी होंगे और आप में से कई लोगों के पास यहोवा के साक्षी हैं, हमने अभी पिछले सप्ताह ही देखा कि हम घर पर थे और दो महिलाएँ दरवाजे पर आईं जो यहोवा की साक्षी थीं और उन्होंने यही कहा। यीशु मसीह ईश्वर है , यीशु मसीह यहोवा ईश्वर नहीं है।

यहोवा परमेश्वर, और इसीलिए वे खुद को यहोवा के साक्षी कहते हैं, क्योंकि वे यहोवा के लिए गवाही दे रहे हैं, यीशु *अगोड* है, परमेश्वर नहीं / तो यीशु परमेश्वर का पुत्र था, बनाया गया और इसलिए वह यहोवा परमेश्वर से कमतर है। यीशु कहते हैं कि पिता मुझसे बड़ा है। यदि यीशु कहते हैं कि पिता मुझसे बड़ा है, तो वे यूहन्ना 14:28 में कहते हैं, तब यीशु परमेश्वर नहीं है। वह एक देवता है, लेकिन परमेश्वर नहीं है। इसलिए कुलुस्सियों 1:15 में कहा गया है कि मसीह सृष्टि में ज्येष्ठ है। वह पहला जन्मा है इसलिए वह परमेश्वर नहीं है क्योंकि वह ज्येष्ठ था और परमेश्वर शाश्वत है। "ज्येष्ठ" शब्द के साथ समस्या यह है, और आप देखते हैं कि परमेश्वर का पिता मुझसे बड़ा है, यीशु एक मनुष्य था इसलिए अपने अस्तित्व के उस बिंदु पर यीशु एक मनुष्य था। तो पिता उस बिंदु पर उससे बड़ा है, उसकी मानवता की बात करते हुए। यह सृष्टि के ज्येष्ठ पुत्र के बारे में बात कर रहा है, इस अर्थ में नहीं कि वह सबसे पहले जन्मा है, बल्कि इस अर्थ में कि वह प्रधान है, जैसे ज्येष्ठ पुत्र सम्मान की उपाधि है। यह इस बारे में बात नहीं कर रहा है कि वह कब पैदा हुआ, बल्कि इस अर्थ में कि वह सृष्टि का ज्येष्ठ पुत्र था और सृष्टि में सर्वश्रेष्ठ है।

डब्लू. यहोवा के साक्षियों का गलत अनुवाद [79:11-85:07]

तो आप इसके साथ कैसे काम करते हैं? आप क्या कहेंगे? मान लीजिए कि यहोवा के साक्षी आपके दरवाजे पर आते हैं। आप कैसे साबित करेंगे कि यीशु मसीह ईश्वर नहीं, बल्कि ईश्वर हैं / " *शुरुआत* में वचन था और वचन ईश्वर के साथ था और वचन ईश्वर था।" यहोवा के साक्षी के नए विश्व अनुवाद में, यह कहा गया है, "शुरुआत में वचन था और वचन ईश्वर के साथ था और वचन ईश्वर था /" शब्द *लॉगोस* [शब्द] ईश्वर था , ईश्वर नहीं। इसलिए यीशु ईश्वर थे, ईश्वर नहीं। वे इसका उपयोग यूहन्ना 1:1 में करते हैं। लेकिन समस्या यह है कि यह वास्तव में ऐसा नहीं कहता है।

तो चलिए जॉन की पुस्तक में कुछ ईश्वरीय कथनों पर नज़र डालते हैं। इसलिए मैं जॉन की

पुस्तक के माध्यम से आगे बढ़ना चाहता हूँ और वैसे, मुझे यह कहना चाहिए कि यहोवा के साक्षियों के पास मेरी कही गई हर बात का खंडन करने के लिए तर्क होंगे। उनके पास ये प्यारे छोटे-छोटे वाक्यांश थे। वे सभी गलत हैं, लेकिन उनका दिमाग इस तरह से धोया गया है और वे चीजों को एक खास तरीके से देखते हैं और यह कुछ इस तरह की बात है कि "तथ्यों से मुझे भ्रमित न करें" जब यह काम नहीं करता है। तो यहाँ जॉन की पुस्तक के माध्यम से कुछ ईश्वरीय कथन दिए गए हैं।

यूहन्ना 1:1 कहता है, "शुरुआत में वचन [*लोगोस*] था और वचन परमेश्वर [*थियोस*] के साथ था और वचन परमेश्वर था।" और वचन *कोई* परमेश्वर नहीं था, ऐसा नहीं कहा गया है, लेकिन "वचन परमेश्वर था।" अगर आप किंग जेम्स संस्करण को देखें, तो यह वही कहता है। किंग जेम्स संस्करण 1611 में बनाया गया था। NIV अनुवाद पर जाएँ, जो बीसवीं सदी के उत्तरार्ध में किया गया था और फिर से किया गया। 2010 में सबसे हालिया NIV, उन्होंने इसे थोड़ा नया रूप दिया और इसे थोड़ा और सटीक बनाया, "और वचन परमेश्वर था।" NASB बहुत शाब्दिक होने की कोशिश करता है और यह कहता है, "वचन परमेश्वर था।" NLT, जो कि न्यू लिविंग ट्रांसलेशन है जो अधिक स्वतंत्र और समतुल्य प्रकार का गतिशील है, कहता है, "वचन परमेश्वर था" NRSV का उपयोग इंग्लैंड में कुछ बेहतरीन विद्वानों द्वारा किया गया है जैसा कि NIV और कुछ अन्य हैं और यह कहता है, "और वचन परमेश्वर था।" ईएसवी भी यही बात कहती है, एनएबी, न्यू अमेरिकन बाइबल, कैथोलिकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली बाइबल भी यही बात कहती है। "शुरुआत में वचन था और वचन परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था।" ये सभी अनुवाद एकमत हैं। अगर आप ग्रीक नहीं जानते, तो कोई बात नहीं, आपके पास ये सभी अनुवाद हैं जो एक ही बात कहते हैं।

फिर यहोवा के साक्षी अपना न्यू वर्ल्ड ट्रांसलेशन उठाते हैं और उसमें लिखा होता है "एक ईश्वर।" जब इन सभी विद्वानों ने इन अन्य चीजों पर काम किया है, तो उन्होंने कहा है "नहीं। यह 'और वचन ईश्वर था' है," और उनके पास अपनी खुद की छोटी-सी पंथिक बाइबिल है और आपको कहना होगा, "नहीं, ये लोग गलत अनुवाद कर रहे हैं।" वास्तव में, वे गलत अनुवाद कर रहे हैं और ग्रीक में लिखा है, "और वचन ईश्वर था" *लॉगोस* ईश्वर था। तो उन्होंने वास्तव में इसका गलत अनुवाद किया है, लेकिन आप बस इतना ही कह सकते हैं कि इन अन्य अनुवादों को कैथोलिक से लेकर प्रोटेस्टेंट, ब्रिटिश से लेकर अमेरिकी और हर जगह अलग-अलग संप्रदायों के कई लोगों द्वारा किया

गया है और मूल रूप से ग्रीक में यही कहा गया है। तो आप लंबे समय तक इसी के साथ चलना चाहते हैं।

यहोवा के साक्षी हमेशा आपके पास आकर कहेंगे, “यूनानी में इसका मतलब है।” अब आप में से ज्यादातर लोग ग्रीक नहीं जानते इसलिए आप कहेंगे, “अच्छा, मैं ग्रीक नहीं जानता।” मेरे साथ भी कुछ ऐसा हुआ। मैं विनोना झील नामक जगह पर हूँ, जहाँ हम रहते थे, और मैं अपने घर के सामने सड़क के उस पार समुद्र तट पर हूँ और मेरी दो बेटियाँ विनोना झील में तैर रही हैं और मैं समुद्र तट पर बैठा हूँ और मैं वहाँ धूप में था, अपनी लड़कियों को तैरते हुए देख रहा था और मेरे पास मेरा ग्रीक न्यू टेस्टामेंट भी है। तो मैं कुछ न्यू टेस्टामेंट पढ़ रहा हूँ और अचानक, यह यहोवा का साक्षी आदमी मेरे पास आता है और कहता है, “अरे!” और यहोवा के साक्षी की तरह दिखावा करना शुरू कर देता है इसलिए मैं उसके साथ आगे-पीछे हो रहा हूँ और वह यह कहने की गलती करता है, “यूनानी में इसका मतलब है कि शब्द वाज़ एग ओड” और मैंने कहा, “ओह सच में? मेरे पास बस मेरा ग्रीक न्यू टेस्टामेंट है और मैं इसे पढ़ रहा था।” तो मैंने जॉन 1:1 खोला। आपको मुझे जानना होगा, मैं एक तरह का अड़ियल आदमी हूँ, इसलिए मैंने जो किया वह यह था कि मैंने उसे अपना ग्रीक न्यू टेस्टामेंट उल्टा करके थमा दिया। अगर कोई व्यक्ति कोई किताब पढ़ रहा है और वह उल्टी है, तो आप सबसे पहले क्या देखना चाहेंगे? आप उसे इसे पलटते हुए देखना चाहेंगे, है न? मैंने उसे उल्टा करके थमा दिया और वह ग्रीक को घूरने लगा। वह स्पष्ट रूप से ग्रीक नहीं पढ़ सकता था, लेकिन उसने मुझे *बताया* कि “ग्रीक में इसका मतलब है” और आखिरकार उसने हार मान ली और मुझे किताब वापस थमा दी। उसने इसे कभी भी सही तरीके से नहीं पलटा। मैं ग्रीक या हिब्रू में अच्छा हो सकता हूँ, शायद उससे भी बेहतर, लेकिन मैं इसे इस तरह से उल्टा करके नहीं पढ़ सकता। फिर यह आदमी कहता है, “मैं ग्रीक नहीं पढ़ सकता” इसलिए उसे वास्तव में यह बात समझ में नहीं आई कि वह मुझे धोखा दे रहा था। उसे पता ही नहीं था कि इसमें क्या लिखा है। सच तो यह है कि “शुरुआत में वचन था और वचन परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था” और ग्रीक का अनुवाद इसी तरह होना चाहिए और इसलिए उन्होंने इसे गलत समझा। मैं उस श्लोक को इसलिए नहीं छोड़ूंगा क्योंकि यह एक सुंदर श्लोक है। सिर्फ इसलिए कि उन्होंने इसका गलत अनुवाद किया है, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं इसे छोड़ दूंगा। इसलिए ग्रीक में जॉन कह रहा है

कि लोगोमें ईश्वर का गुण है और इसीलिए इसमें निश्चित उपपद “द” को हटा दिया गया है। वैसे भी, ग्रीक में कुछ और कारण हैं, लेकिन हम इसे ग्रीक क्लास के लिए बचाकर रखेंगे। आप सभी को ग्रीक लेना चाहिए!

X. यूहन्ना 8:58 और 9:38 में ईश्वरत्व संबंधी कथन [85:07-88:28]

अब यहाँ एक और है। यूहन्ना 8:58, मैं इसे यहाँ पाठ से निकालता हूँ क्योंकि मैं थोड़ा सा संदर्भ देना चाहता हूँ। यूहन्ना 8:58 यीशु संघर्ष में है और कहता है, "अब तुम अपने आप को क्या समझते हो?" यीशु ने उत्तर दिया। 'यदि मैं अपनी महिमा करूँ, तो मेरी महिमा का कोई अर्थ नहीं है। मेरा पिता जिसे तुम अपना परमेश्वर कहते हो, वही मेरी महिमा करता है और यद्यपि तुम उसे नहीं जानते, तौभी मैं उसे जानता हूँ।'" और वे उससे कहते हैं। "तुम अभी पचास वर्ष के नहीं हुए हो। तुम्हारा पिता अब्राहम मेरा दिन देखने के विचार से आनन्दित हुआ और उसने इसे देखा और प्रसन्न हुआ।" वे उससे कहते हैं, "अरे, मनुष्य, तुम तो पचास वर्ष के भी नहीं हो! और तुमने अब्राहम को देखा है?" "मैं तुमसे सच कहता हूँ, यीशु ने उनसे कहा, 'अब्राहम के जन्म से पहिले मैं हूँ।'"

जब आप "मैं हूँ" वाक्यांश सुनते हैं और आप यहूदी लोगों के बारे में सोचते हैं, तो यहूदी लोगों की इस पर क्या प्रतिक्रिया होती है? यीशु ने कहा, "अब्राहम के होने से पहले, मैं हूँ।" "इस पर, उन्होंने उसे पत्थर मारने के लिए पत्थर उठाए, लेकिन यीशु भीड़ से दूर छिप गया।" इससे क्या हुआ? उन्होंने उसे पत्थर मारने के लिए पत्थर क्यों उठाए? क्योंकि यीशु ने सिर्फ़ भगवान होने का दावा किया था। पुराने नियम में, अगर मैंने तुमसे कहा "मैं हूँ," तो "मैं हूँ जो मैं हूँ" कौन है? इसी तरह से भगवान यहोवा ने निर्गमन 3:14 में जलती हुई झाड़ी में खुद की पहचान की। "मैं हूँ जो मैं हूँ।" यह यहोवा है और इसलिए जब वह कहता है "अब्राहम के होने से पहले, मैं हूँ" तो यहूदियों ने स्पष्ट रूप से समझ लिया कि यह एक ईशनिंदा वाला बयान था। तो, "अब्राहम के होने से पहले, मैं हूँ।"

यहाँ एक और अध्याय 9 पद 38 है, "यीशु ने सुना कि उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया है क्योंकि उसने कहा, "यह वही अंधा व्यक्ति है जो जन्म से अंधा था जिसे यीशु ने ठीक किया।" उसने कहा, 'यह कौन है श्रीमान? क्या आप मनुष्य के पुत्र पर विश्वास करते हैं?' 'वह कौन है श्रीमान?' अंधे व्यक्ति ने पूछा। 'मुझे बताओ ताकि मैं उस पर विश्वास कर सकूँ।' और यीशु ने कहा, 'तुमने अब उसे

देखा है। वास्तव में, वह वही है जो तुमसे बात कर रहा है ' और उस व्यक्ति ने कहा, 'प्रभु मैंने विश्वास किया और उसकी पूजा की।'" अब पूजा के साथ समस्या क्या है? यदि आप प्रकाशितवाक्य 19 में जाते हैं, तो प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यूहन्ना एक स्वर्गदूत की पूजा करने की कोशिश करता है और यह स्वर्गदूत क्या करता है? वह कहता है, "अरे, उठो। तुम मेरी पूजा नहीं करते, मैं एक स्वर्गदूत हूँ और स्वर्गदूत बार-बार, यह रहस्योद्घाटन 19:10 में है, लेकिन कई स्वर्गदूतीय उदाहरण हैं जब ऐसा होता है, जब लोग एक स्वर्गदूत को देखते हैं, वे अपने चेहरे पर गिरते हैं और पूजा करने जाते हैं और स्वर्गदूत कहता है, "उठो। मेरी पूजा मत करो, परमेश्वर की पूजा करो।" यहाँ यीशु इस अंधे आदमी से पूजा स्वीकार करता है जिसे उसने अभी-अभी चंगा किया था, पूजा केवल परमेश्वर के लिए आरक्षित थी।

Y. यूहन्ना 10:30 और 20:28 में देवत्व संबंधी कथन [88:28-91:36]

यहाँ एक और है, अध्याय 10. वैसे, क्या आप इसे देखते हैं? यह अध्याय 8, अध्याय 9 और अध्याय 10 है। यह काफी दिलचस्प है अगर आप जॉन की किताब में जाना चाहते हैं, तो जॉन 1:1 से शुरू करें और अध्याय 8, अध्याय 9 और अध्याय 10 करें। अध्याय 10 से श्लोक 30 तक यह कहा गया है, "और यीशु ने कहा, 'मैंने तुमसे कहा था लेकिन तुमने विश्वास नहीं किया। मेरे पिता के नाम पर जो चमत्कार मैं करता हूँ, वे मेरे लिए बोलते हैं लेकिन तुम विश्वास नहीं करते क्योंकि तुम मेरी भेड़ नहीं हो,'" और वह इस तरह से आगे बढ़ता है। "'मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ और वे कभी नाश नहीं होंगे। कोई भी उन्हें मेरे हाथ से नहीं छीन सकता। मेरा पिता, जिसने उन्हें मुझे दिया है, सभी से बड़ा है। कोई भी उन्हें मेरे पिता के हाथ से नहीं छीन सकता,'" और फिर वह यह कथन करता है, "मैं और पिता एक हैं।" अब मैं चाहता हूँ कि आप एक यहूदी व्यक्ति के रूप में उस कथन के बारे में सोचें। जब आप सुनते हैं "मैं और पिता एक हैं" तो आपके दिमाग में क्या आता है? दुनिया का हर यहूदी व्यक्ति इस श्लोक को जानता है, व्यवस्थाविवरण 6:4 "हे इस्राएल, सुन, यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक है।" यहूदी एकेश्वरवाद पर गर्व करते थे। जब वह कहता है कि वह पिता के साथ एक है, तो यह एक प्रतिबिम्ब है। फिर से यहूदियों ने उसे पत्थर मारने के लिए पत्थर उठाए लेकिन यीशु ने कहा, "मैंने तुम्हें पिता की ओर से बहुत से बड़े-बड़े चमत्कार दिखाए हैं, उनमें से

किस बात के लिए तुम मुझे पत्थर मारते हो?" और फिर यहूदियों ने इस तरह जवाब दिया, "'हम इनमें से किसी के लिए तुम्हें पत्थर नहीं मार रहे हैं,' यहूदियों ने उत्तर दिया, 'लेकिन ईश्वर की निन्दा के लिए क्योंकि तुम एक साधारण मनुष्य होकर परमेश्वर होने का दावा करते हो।'" तो जो लोग यीशु को सुन रहे थे जो मूल श्रोता थे, वे बहुत स्पष्ट रूप से जानते थे कि उसने अभी-अभी परमेश्वर होने का दावा किया था। "मैं और पिता एक हैं।"

अब, थॉमस, यूहन्ना 20:28 में, मुझे यहाँ थोड़ा तेजी से जाने दें, 20:28 में थॉमस को संदेह करने वाला याद है? "अरे, मैं तब तक इस पर विश्वास नहीं करने वाला जब तक मैं अपनी उंगलियाँ उसके हाथ में नहीं डाल सकता और जब तक मैं अपना हाथ उसके पंजर में नहीं डाल सकता" जहाँ भाला घुसा था। यीशु थॉमस के पास आता है और कहता है, "ठीक है, थॉमस। मैं मृतकों में से जी उठा हूँ। आगे बढ़ो, अपनी उंगलियाँ मेरी हथेलियों में रखो जहाँ कील के निशान थे और थॉमस जवाब देता है, 'मेरे प्रभु और मेरे भगवान।'" यह यीशु के लिए एक सीधा संबोधन है, "मेरे प्रभु और मेरे भगवान।" मसीह की दिव्यता के बारे में पवित्रशास्त्र में सबसे स्पष्ट बयानों में से एक यूहन्ना 20:28 में थॉमस से आता है, "मेरे प्रभु और मेरे भगवान।"

Z. यूहन्ना के बाहर मसीह का ईश्वरत्व [91:36-95:06]

आइए जॉन से बाहर निकलें और मैं बस इन पर जल्दी से नज़र डालना चाहता हूँ, ये अन्य अंश हैं जो मसीह की दिव्यता को दर्शाते हैं, कि मसीह ईश्वर है। प्रकाशितवाक्य 1:8 और 21:3-7, यह इस अल्फा को संदर्भित करता है, मुझे प्रकाशितवाक्य 1:8 पढ़ने दें, "मैं अल्फा और ओमेगा हूँ, प्रभु परमेश्वर कहता है।" अब जब यह कहता है, "प्रभु परमेश्वर," यह यहोवा एलोहीम है। "मैं अल्फा और ओमेगा हूँ, प्रभु परमेश्वर कहता है, जो है और जो था और जो आने वाला है, सर्वशक्तिमान।" तो यह सर्वशक्तिमान परमेश्वर बोल रहा है। यहोवा बोल रहा है। वह खुद को "मैं अल्फा और ओमेगा हूँ" कहता है और प्रकाशितवाक्य 21:3 और उसके बाद, "मैंने सिंहासन से एक ऊँची आवाज़ सुनी, 'अब परमेश्वर का निवास मनुष्यों के साथ है और वह उसके साथ रहेगा। वे उसके लोग होंगे और परमेश्वर स्वयं उनके साथ रहेगा और उनका परमेश्वर होगा।' उसने मुझसे कहा, 'यह हो गया। मैं अल्फा और ओमेगा हूँ, शुरुआत और अंत। जो प्यासा है, मैं उसे जीवन के जल के सोते से मुफ्त में

पिलाऊँगा और जो जीतेगा, वह यह सब कुछ प्राप्त करेगा और मैं उसका परमेश्वर होऊँगा और वह मेरा पुत्र होगा।" तो अल्फा और ओमेगा, शुरुआत और अंत सर्वशक्तिमान ईश्वर, प्रभु ईश्वर को संदर्भित करता है। यह बहुत दिलचस्प है कि यह समानता है, अगर आप यशायाह 48:12 पर वापस जाएँ, "मैं पहला और आखिरी हूँ।" वहाँ कौन बोल रहा है? यहोवा। यशायाह 48 में यहोवा बोल रहा है। यह अगला सेट बहुत दिलचस्प है। अंदाज़ा लगाओ क्या? अल्फा और ओमेगा, अल्फा ग्रीक वर्णमाला का पहला अक्षर है। अल्फा हमारे "ए" की तरह है, यह वर्णमाला का पहला अक्षर है और ओमेगा वर्णमाला का अंतिम अक्षर है। यह हमारे "जेड" की तरह है। वह जो कह रहा है, वह है, "मैं 'ए' से 'जेड' हूँ।" मैं पहला अक्षर, अल्फा हूँ और मैं अंतिम अक्षर, ओमेगा हूँ। शुरुआत और अंत।" अब जब आप प्रकाशितवाक्य 22 में जाते हैं, तो अनुमान लगाते हैं कि यह क्या कहता है? "मैं अल्फा और ओमेगा हूँ, शुरुआत और अंत, पहला और अंतिम।" वहाँ कौन बोल रहा है? यीशु। प्रकाशितवाक्य 1:17-18 पर वापस जाएँ और यह कहता है, "जब मैंने उसे देखा, तो मैं उसके पैरों पर गिर पड़ा मानो वह मरा हुआ हो और उसने अपना दाहिना हाथ मेरे ऊपर रखकर कहा, 'डरो मत। मैं पहला और अंतिम हूँ। मैं जीवित हूँ। मैं मर गया था और देखो, मैं हमेशा के लिए जीवित हूँ और मेरे पास मृत्यु और अधोलोक की कुंजियाँ हैं।'" यह यीशु बोल रहे हैं। वह कह रहे हैं "मैं पहला और अंतिम हूँ।" यह बिल्कुल वही शीर्षक है जिसे परमेश्वर ने वहाँ चुना और यीशु ने उस शीर्षक को अपने लिए ले लिया। नहीं, यीशु ही अल्फा और ओमेगा है। यीशु ही यहोवा परमेश्वर है /

ए.ए. ग्रैनविले शार्प नियम और निष्कर्ष [95:06-99:03]

अब यहाँ एक है जो ग्रैनविले शार्प नियम है लेकिन यदि आप 2 पतरस 1:1 को देखें और तीतुस 2:13 में भी इसी प्रकार की बात होती है। इन दो स्थानों पर, मैं डैन वालेस नामक एक व्यक्ति द्वारा लिखित व्याकरण का हवाला दे रहा हूँ। डैन वालेस संभवतः इस समय देश के सर्वश्रेष्ठ यूनानी विद्वानों में से एक हैं। डैनियल वालेस डलास सेमिनरी में। और डैनियल की पुस्तक, *बियाँन्ड द बेसिक्स इन ग्रामर* ग्रीक व्याकरण पर 600-700 पृष्ठ की पुस्तक कहती है कि जब भी आपके पास शब्द "द" होता है, एक निश्चित उपपद, साथ ही एक संज्ञा और एक *काई* दूसरे संज्ञा से जुड़ा होता है, तो पहली संज्ञा दूसरी संज्ञा के बराबर होती है। इसे ग्रीक में ग्रैनविले शार्प नियम कहा जाता है।

ग्रेनविले शार्प नियम। मुझे ये आयतें आपको पढ़कर सुनाने दें। 2 पतरस 1:1, "उन लोगों के लिए जो हमारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता के माध्यम से," परमेश्वर और उद्धारकर्ता दोनों यीशु मसीह को संदर्भित करते हैं। यीशु मसीह परमेश्वर हैं, यीशु मसीह उद्धारकर्ता हैं। यह 2 पतरस 1:1 है। यदि आप तीतुस 2:13 में जाएं, तो वहां भी यही बात होती है: "धन्य आशा। हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता का आकाश में प्रकट होना," यीशु मसीह को संदर्भित करता है। हमारा उद्धारकर्ता परमेश्वर है। इसलिए तीतुस 2:13 में इसी प्रकार के तर्क का उपयोग किया गया है।

मैं आपको यह सुझाव दे रहा हूँ कि पवित्रशास्त्र में एक बहुत बड़ी बात यह है कि यीशु मसीह ईश्वर हैं। यीशु मसीह सिर्फ एक अच्छे पैगम्बर नहीं हैं, वे सिर्फ महात्मा गाँधी या मार्टिन लूथर किंग नहीं हैं। यीशु मसीह ईश्वर हैं और जॉन इसे विभिन्न तरीकों से सामने लाते हैं और संभवतः सेरिंथस के साथ संघर्ष का खंडन करते हैं, जिसने कहा था कि यीशु मसीह एक व्यक्ति थे जिन पर आत्मा आई और बाद में चली गई। तो यह एक बड़ी बात है और हम तब सवाल पूछते हैं, "मेरे लिए यह मानना कि यीशु मसीह ईश्वर हैं, इसका क्या मतलब है?" और यही हमारे उद्धार का आधार है। यह एक ऐसा सवाल है जो मैं खुद से अक्सर पूछता हूँ: क्या मैं एक ईसाई हूँ? यीशु पर विश्वास करने का क्या मतलब है? यह एक बड़ी बात है।

मुझे लगता है कि हम इसे यहीं समाप्त करना चाहते हैं और जब हम इसे उठाएंगे, तो हम कुछ पात्रों के बारे में जानेंगे और जॉन की पुस्तक में चरित्र अध्ययन करेंगे और जो हम पाएंगे वह काफी दिलचस्प होगा। हम निकोडेमस, संदेह करने वाले थॉमस और अन्य लोगों को देखेंगे और देखेंगे कि यीशु से प्यार करने वाला यह शिष्य इन अन्य व्यक्तियों को कैसे चित्रित करता है। वह इन बहुत ही विविध व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील प्रतीत होता है और कैसे वे विश्वास की ओर बढ़ते हैं। हम देखेंगे कि निकोडेमस कैसे विश्वास की ओर बढ़ता है, कैसे नथानिएल, कुएं पर खड़ी यह महिला यीशु में विश्वास की ओर बढ़ी। हम अगली बार इस पर विचार करेंगे। धन्यवाद।

टांसक्राइब किया गया: फेथ गेर्सेस
बैन बोडेन द्वारा संपादित
टेड हिल्लेब्रांट द्वारा संपादित रफ